▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 14 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 05-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 जनआंदोलन से जीतेंगे टीबी की जंग : शर्मा

6 विधानसभा उपचुनाव के नतीजों ने दिया अहम राजनीतिक संदेश

7 अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं : जैस्मिन भसीन

फर्स्ट टेक

उत्तरी केरल में भारी बारिश, आईएमडी ने आठ जिलों में 'रेड अलर्ट' जारी किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को राज्य के आठ जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी ने राज्य के पत्तनमथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्णाकुलम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने चार जिलों अलप्पुझा, त्रिशूर, पलक्कड़ और मलप्पुरम में 'ऑरेंज अलर्ट' तथा अन्य दो जिलों तिरुवनंतपुरम और कोल्लम में येलो अलर्ट' जारी किया है। रेड अलर्ट का अर्थ है 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक भारी वर्षा का पूर्वानुमान। वहीं, ऑरेंज अलर्ट 11 से 20 सेंटीमीटर के बीच बहुत भारी वर्षा और येलो अलर्ट छह से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी वर्षा की चेतावनी को दर्शाता है।

न्यायालय से सीबीएसई की त्रि-भाषा नीति के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर शीघ्र सुनवाई की गुहार

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय से सीबीएई द्वारा नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए त्रि-भाषा (जिनमें दो भारतीय भाषाएं शामिल हैं) को अनिवार्य करने के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर यथाशीघ्र सुनवाई करने की मंगलवार को गुहार लगाई गई। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ से अनुरोध किया कि इन याचिकाओं पर बुधवार या बृहस्पतिवार को सुनवाई की जाए, क्योंकि छात्र अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं और शैक्षणिक सत्र पहले ही शुरू हो चुका है। अधिवक्ता ने दलील दी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की नीति को लागू करने के लिए न तो पर्याप्त शिक्षक हैं और न ही किताबें।

मदरसा शिक्षा प्राप्त करने वालों में आतंकी जैसी सोच विकसित होती है : मौर्य

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को कहा कि जो कोई भी मदरसा शिक्षा प्राप्त करता है, उसके भीतर एक आतंकी जैसी सोच विकसित होती है। उपमुख्यमंत्री ने विधान भवन में संवाददाताओं से कहा, जिसे भी मदरसा शिक्षा मिलती है, वह भारत माता की जय नहीं बोलता और न ही वंदे मातरम गीत गाता है। उसके भीतर एक आतंकवादी जैसी सोच विकसित होती है। मौर्य के इस बयान पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने कहा, भाजपा सभी आतंकियों को पालती है और वे उनके कार्यालयों में पाए जाते हैं।

05-07-2026 सूर्यास्त 6:34 बजे	06-08-2026 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
78,428.95	24,614.90
(-210.08)	(-159.40)

सोना	चांदी
14,832 रु.	235,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या-क्या बाँटोगे

प्रतिबंधित एयरस्पेस हुए,
अवरोध बने सीमाओं पे।
नदियों का जल भी बाँट लिया,
झगड़ा वृक्षों की छाँहों पे।
सागर के पानी पर लकीर,
भूगर्भ युद्ध के दावों पे।
बादल खुशबू अरदास करे,
अंकुश ना लगे हवाओं पे।।

डुबकी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में हाल ही में हुई बारिश के कारण गंगा नदी के जलस्तर में आई वृद्धि के बावजूद पवित्र डुबकी लगाते श्रद्धालु।

हंगामे के बीच लोकसभा में विनियोग विधेयक पारित

कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अयोध्या राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत अन्य विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही सदन ने विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक, 2026 को बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित कर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शोर-शराबे के बीच ही सदन में कराधान एवं अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 भी पेश किया। इससे पहले, पूर्वाह्न 11 बजे सदन की बैठक शुरू होने पर जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराना चाहा तो विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। वे अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठा रहे थे और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे।

बिरला ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा, मैं आप सभी को बोलने का अवसर दूंगा, लेकिन प्रश्नकाल में केवल प्रश्न-उत्तर होते हैं और सभी से अनुरोध है कि कार्यवाही चलाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा, मैंने कल भी बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) की बैठक में सभी दलों से यह अनुरोध किया था। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और चर्चा एवं संवाद के लिए है। यह नारेबाजी करने और तख्तियां लेकर आने का मंच नहीं है। शोर-शराबा जारी रहने पर अध्यक्ष ने सदन की बैठक अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी। एक बार के स्थगन के बाद बैठक दो बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आवश्यक कागजात सदन के पटल पर रखवाये।

इस दौरान विपक्षी सदस्य पहले की तरह ही शोर-शराबा कर रहे थे। हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। सैकिया ने विपक्षी सदस्यों से अपनी सीट पर जाकर बैठने का आग्रह करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण विधेयक है और सभी को इसमें सहयोग करना चाहिए।

हंगामे के कारण मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही सदन ने विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक, 2026 को बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित कर दिया।

हसीना को बांग्लादेश लौटने की अनुमति दी जानी चाहिए : तसलीमा

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन ने मंगलवार को कहा कि अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना को स्वदेश लौटने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद पांच अगस्त 2024 को हसीना की सरकार गिर गई थी, जिसके बाद उन्हें देश छोड़ना पड़ा था। इस घटनाक्रम की दूसरी बरसी से एक दिन पहले तसलीमा ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि हसीना की पार्टी अवामी लीग पर से प्रतिबंध भी हटना चाहिए।

राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर हंगामा, राज्यसभा पूरे दिन के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राम मंदिर चढ़ावा चोरी और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण राज्यसभा की बैठक मंगलवार को दो बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश करने को कहा। उच्च सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच राय ने यह विधेयक पेश किया। विपक्षी सदस्यों ने कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक है और गृह मंत्री अमित शाह को सदन में होना चाहिए। विपक्षी सदस्यों ने गृह मंत्री की सदन में अनुपस्थिति को लेकर नारे भी लगाए। हंगामे के बीच ही विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा हुई और गृह राज्य मंत्री राय ने चर्चा का जवाब दिया। मंत्री के जवाब के बाद उपसभापति ने अपराह्न दो बज कर 50 मिनट पर बैठक को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया। उच्च सदन की बैठक अब बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे होगी। इससे पहले पूर्वाह्न 11 बजे बैठक शुरू होने पर, कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए नकदी और कीमती सामान की कथित चोरी का मुद्दा उठाया, जिसका सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जोरदार विरोध किया।

उदयनिधि स्टालिन को थाने से जमानत दी गई, रिहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर/भाषा। कथित द्विअर्थी अपमानजनक टिप्पणी मामले में मंगलवार को गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को यहां के निकट सेंगीपट्टी में पूछताछ के बाद पुलिस थाने से जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस थाने के बाहर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) कार्यकर्ताओं ने उदयनिधि का गर्मजोशी से स्वागत किया। सूत्रों ने बताया कि उदयनिधि स्टालिन को चेन्नई स्थित उनके आवास से पूर्वाह्न करीब 11 बजे गिरफ्तारी के बाद यहां से करीब 27 किलोमीटर दूर सेंगीपट्टी थाने लाया गया, जहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में उनसे पूछताछ की गई। सूत्रों के अनुसार, तंजावुर में कावेरी मुद्दे पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें मद्रास उच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन के अनुरूप थाने से जमानत पर रिहा कर दिया गया। उदयनिधि स्टालिन से पूछताछ करीब एक घंटे तक चली और उन्हें गिरफ्तारी के लगभग नौ घंटे बाद रिहा किया गया।

चंदा चोरी विवाद के बाद पहली बार सामने आए चंपत राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के पूर्व महासचिव चंपत राय करीब दो महीने पहले राम मंदिर में चढ़ावा के गबन के आरोपों के बाद मंगलवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए और वह यहां तपस्वी छावनी मंदिर गए। तपस्वी छावनी के मुख्य पुजारी परमहंस आचार्य ने राय का औपचारिक स्वागत किया। दोनों के बीच बंद कमरे में बैठक हुई। हालांकि बातचीत का विवरण सामने नहीं आया। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में परमहंस आचार्य ने राम मंदिर निर्माण में राय के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, भव्य राम मंदिर का निर्माण चंपत राय के नेतृत्व में किया गया और उनका समाज में बहुत सम्मान है। साधु-संतों ने राय से अयोध्या में स्थायी रूप से बसने का अनुरोध किया था।

परमहंस आचार्य ने कहा, चंपत राय अपनी अंतिम सांस तक अयोध्या में रहेंगे और मैंने लोगों से उनका सम्मान करते रहने की अपील है। राम मंदिर से चढ़ावा चोरी का मामला जून के प्रथम सप्ताह में प्रकाश में आया था जिससे राजनीतिक विवाद छिड़ गया और विपक्षी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने इस मुद्दे को संसद और उत्तर प्रदेश विधानसभा में उठाया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की सिफारिश पर राज्य सरकार ने इन आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित किया था और इसकी अंतरिम रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई। दान की गिनती और गबन का षड़यंत्र करने में कथित तौर पर शामिल आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

एअर इंडिया का विमान हवा में अपनी निर्धारित ऊंचाई से अचानक नीचे आया, 15 लोग घायल

नई दिल्ली/भाषा

थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रहा एअर इंडिया का एक विमान मंगलवार सुबह वायुमंडलीय अस्थिरता (टर्बुलेंस) के कारण हवा में अपनी निर्धारित ऊंचाई से अचानक लगभग 300 फुट नीचे आ गया, जिससे विमान में सवार कम से कम 15 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, घायल होने वालों में चालक दल का एक सदस्य गंभीर रूप से घायल हुआ है। एअर इंडिया का ए-320 श्रेणी का विमान फुकेत से दिल्ली के लिए उड़ान संख्या 'एआई2379' का संचालन कर रहा था। विमान पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे सुरक्षित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतर गया। सूत्रों के अनुसार, विमान में 134 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घटना की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि इस घटना में चालक दल (केबिन क्रू) के चार सदस्यों समेत कम से कम 15 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''एअर इंडिया का ए-320 विमान (पंजीकरण संख्या वीटी-ईएक्सओ), जो फुकेत-दिल्ली उड़ान संख्या एआई2379 का संचालन कर रहा था, उड़ान के दौरान लगभग 300 फुट नीचे आ गया।'' उन्होंने कहा, ''विमान के पायलट ने बताया कि विमान के लगभग 300 फुट नीचे आने के कारण एक केबिन क्रू सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया तथा कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं।'

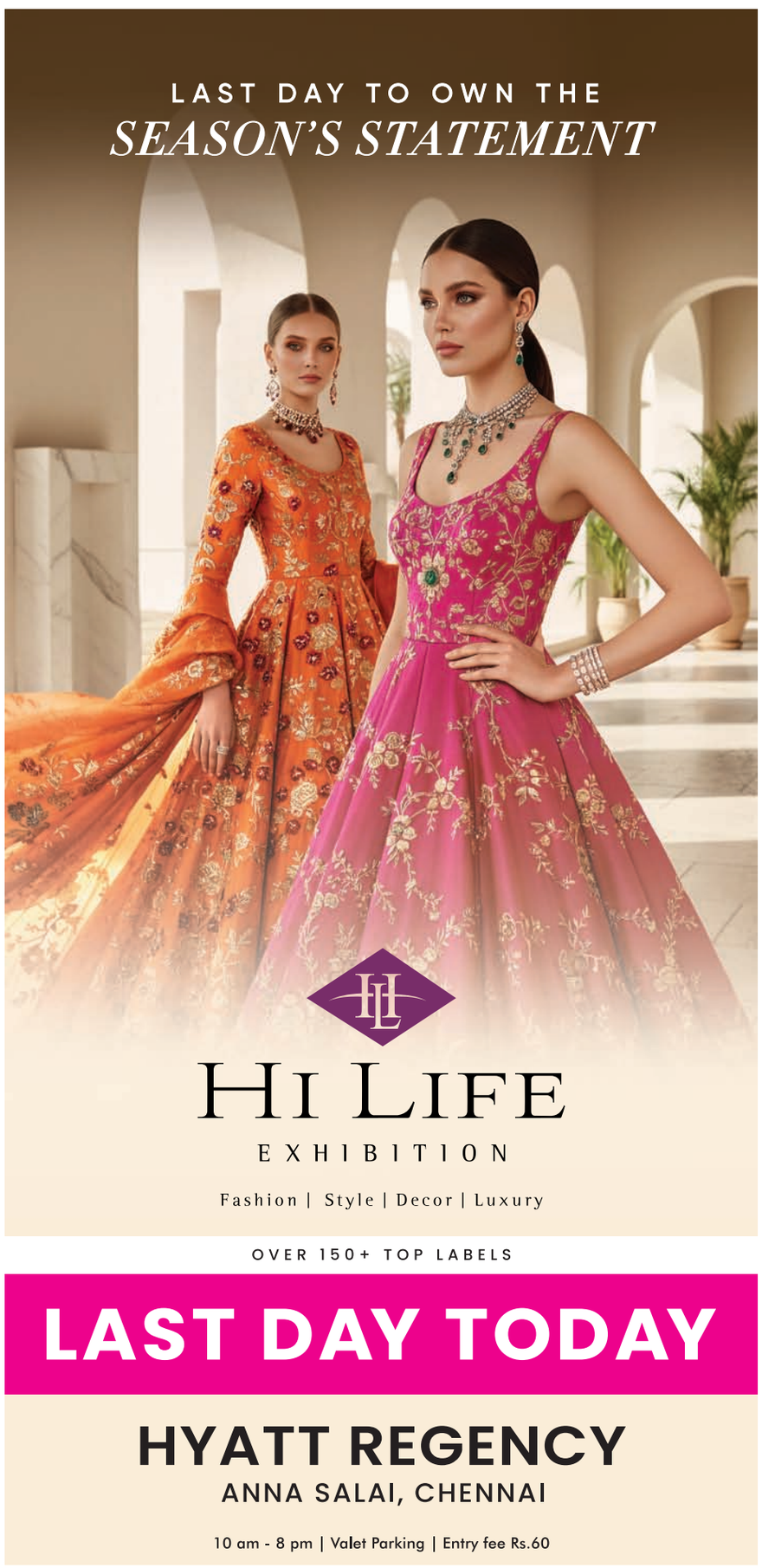

पुरी रथ यात्रा के रथ के पहिए राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शित किए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। पुरी की वार्षिक रथयात्रा में इस्तेमाल होने वाले तीनों रथों के पहिए राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शित किए जाएंगे। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने बताया कि उन्होंने भुवनेश्वर स्थित लोक भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उनके समक्ष यह प्रस्ताव रखा। उन्होंने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति इस बात पर सहमत हो गईं कि तीनों रथों के पहिये राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शित किए जाएं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।

अधिकारियों ने बताया कि भगवान जगन्नाथ के 'नंदीघोष', भगवान बलभद्र के 'तालध्वज' और देवी सुभद्रा के 'दर्पदलन' रथों के पहियों को नई दिल्ली भेजा जाएगा और ओडिशा की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वार्षिक रथयात्रा के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले तीनों रथों को हर साल उत्सव के बाद खोल दिया जाता है। जहां लकड़ी का एक हिस्सा जगन्नाथ मंदिर की रसोई में इस्तेमाल होता है, वहीं रथों के महत्वपूर्ण हिस्सों की श्रद्धालुओं के बीच नीलामी की जाती है। उन्होंने बताया कि उत्सव के लिए नए रथों के निर्माण के वास्ते हर साल नई लकड़ी का उपयोग किया जाता है। यह पहली बार नहीं है जब ओडिशा की विरासत को राष्ट्रपति भवन परिसर में जगह मिलने जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 29 अक्टूबर 2024 को प्रतिष्ठित कोणार्क पहियों की बलुआ पत्थर से बनी चार प्रतिकृतियों को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र और अमृत उद्यान में प्रदर्शित किया था, ताकि आगंतुकों के सामने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जा सके।

राष्ट्रमंडल पदक के साथ सिर्फ सरकारी नौकरी का लक्ष्य नहीं रखें, अगली पीढ़ी को प्रेरित करें : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को मुक्केबाजी, जूडो और पैरा एथलेटिक्स में राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया और कहा कि इस प्रतियोगिता में पोडियम तक पहुंचना सिर्फ सरकारी नौकरी पाने का जरिया नहीं होना चाहिए। पदक विजेताओं को स्वर्ण के लिए 30 लाख रुपये, रजत के लिए 20 लाख रुपये और कांस्य के लिए 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिए गए।

खेल मंत्रालय के एक बयान में मांडविया के हवाले से कहा गया, आइए, सिर्फ सरकारी नौकरी पाने के मकसद से राष्ट्रमंडल खेलों का पदक नहीं जीते। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि अपने सक्रिय करियर से संन्यास के बाद खेल अकादमियां संचालित कीजिए।

उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों जैसी बहु खेल प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी मिलने के पिछले उदाहरणों का जिक्र किया। चैंपियनों को बधाई देते हुए मांडविया ने उनसे आग्रह किया कि वे खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन और प्रेरित करके अपने प्रतिस्पर्धी करियर के बाद भी भारतीय खेलों में अपना योगदान दें। सम्मान समारोह में भारतीय मुक्केबाजी दल के सदस्य भी शामिल हुए जिसने 10 पदक (सात स्वर्ण और तीन रजत) के शानदार प्रदर्शन के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा), साक्षी चौधरी (51 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा) और अंकुश पंघाल (80 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। तीन रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ी जादुमणि सिंह (55 किग्रा), ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से अधिक) रहे। मांडविया ने जूडो दल को भी सम्मानित किया जिसने चार पदक (दो ऐतिहासिक स्वर्ण पदक सहित) जीतकर इन खेलों में भारत का अब तक का सबसे अच्छा अभियान पूरा किया। ग्लास्गो में भारत ने जूडो की 12 स्पर्धाओं में हिस्सा लिया और दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीत। भारत ने बर्मिंघम में हुए 2022 खेलों में तीन पदक जीते थे जिनमें कोई स्वर्ण पदक नहीं था। अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने जूडो में भारत के लिए पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते। जापान में सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों को ध्यान में रखते हुए मांडविया ने खिलाड़ियों से कहा कि वे राष्ट्रमंडल खेलों में बनी अपनी लय को बरकरार रखें। मांडविया ने कहा, ''आप में से किसी को भी अपने कोच के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। गुरु का मार्गदर्शन जीवन में आपको बहुत आगे ले जाता है।''

जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध आतंकी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के आवास की रेकी की : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के संदिग्ध सदस्य हमीम मंडल ने पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के निर्देश पर रची गई एक बड़ी साजिश के तहत कोलकाता में उस इलाके की रेकी की थी, जहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का आवास है। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को दी। अधिकारी ने बताया कि ये खुलासे विशेष कार्यबल (एसटीएफ) द्वारा पिछले सप्ताह पूर्बा बर्धमान से गिरफ्तार किए गए मंडल तथा उसके कथित सहयोगियों -अर्पिता सरकार और आदित्य सिन्हा- से पूछताछ के दौरान हुए।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, मंडल को मुख्यमंत्री की गतिविधियों पर नजर रखने, उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने और उनकी सुरक्षा में संभावित खामियों का पता लगाने का काम सौंपा गया था। उन्होंने बताया कि मंडल मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में कथित तौर पर शामिल हुआ था और इसने चिनार पार्क स्थित मुख्यमंत्री के आवास की रेकी भी की थी। एसटीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पूछताछ के शुरुआती चरण में आरोपी ने इलाके में जाने से इनकार किया था। हालांकि, मोबाइल टावर लोकेशन विश्लेषण सहित तकनीकी साक्ष्यों से वहां उसकी मौजूदगी निर्विवाद रूप से साबित हो गई। साक्ष्यों का सामना कराए जाने पर उसने रेकी करने की बात स्वीकार कर ली।

एसटीएफ के अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता इस बात की भी पड़ताल कर रहे हैं कि मंडल और उसके सहयोगियों ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में संभावित खामियों का पता लगाने के लिए राज्य सचिवालय 'नबान्न' की भी रेकी की थी या नहीं। उन्होंने कहा, हम नबान्न के आसपास उनकी गतिविधियों की पुष्टि के लिए सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं। हर सुराग की गहनता से पड़ताल की जा रही है और फिलहाल किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

ईडी मामले में रहेजा डेवलपर्स के चेयरमैन, एमडी को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने धनशोधन मामले में रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड के चेयरमैन नवीन एम. रहेजा और प्रबंध निदेशक (एमडी) नयन एन. रहेजा को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दे दी है। अदालत ने कहा कि गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) का आरोपी के अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है और इन्हें यांत्रिक ढंग से जारी नहीं किया जाना चाहिए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक अर्जी पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इस अर्जी में आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ अनिश्चित समय-सीमा वाले गैर-जमानती वारंट जारी करने की मांग की गई थी।

अदालत ने तीन अगस्त को जारी आदेश में कहा, किसी भी आरोपी के खिलाफ कोई प्रक्रिया शुरू करने का मुख्य उद्देश्य अदालत में उसकी उपस्थिति सुनिश्चित करना होता है। आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के व्यापक प्रभाव होते हैं और यह उसके अधिकारों को प्रभावित करता है, लिहाजा इसे बहुत सोच-समझकर जारी किया जाना चाहिए। अदालत को सभी पहलुओं पर उचित विचार करना आवश्यक है और प्रक्रिया को यांत्रिक तरीके से जारी नहीं करना चाहिए। ईडी का आरोप है कि दोनों आरोपी जांच में शामिल नहीं हुए और वर्ष 2022 में दर्ज ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) के संबंध में जारी समन का भी पालन नहीं किया। आरोपियों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास पाहवा ने अदालत को बताया कि दोनों ने वर्ष 2025 में चार बार व्यक्तिगत रूप से ईडी के समक्ष पेश होकर जांच में सहयोग किया और एजेंसी द्वारा मांगे गए दस्तावेज भी उपलब्ध कराए। उन्होंने दलील दी कि ईसीआईआर वर्ष 2022 में दर्ज हुई थी, लेकिन जांच में सहयोग के बावजूद ईडी करीब चार साल बाद गैर-जमानती वारंट जारी करने की मांग कर रही है। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि दोनों आरोपी न तो फरार हैं और न ही कानून की प्रक्रिया से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों को जब भी बुलाया जाएगा, वे जांच में शामिल होंगे। साथ ही, अग्रिम जमानत याचिका और अन्य याचिकाएं दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि वर्ष 2025 में जांच में शामिल होने के बाद आरोपी चार मौकों पर पेश नहीं हुए और अप्रैल 2026 में जारी समन का भी पालन नहीं किया। उसने कहा अग्रिम जमानत याचिका दायर करने से जांच में शामिल होने की बाध्यता समाप्त नहीं होती और न ही इससे एजेंसी की कार्रवाई पर रोक लगती है।

वैष्णो देवी 'नकली चांदी' विवाद : जम्मू की अदालत ने जांच रिपोर्ट तलब की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वैष्णो देवी जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित श्री माता वैष्णो देवी मंदिर से जुड़े कथित 500 करोड़ रुपये की 'नकली चांदी' मामले में एक स्थानीय अदालत ने विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की है। साथ ही, अदालत ने मामले से संबंधित साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के अनुरोध वाली अर्जी पर कदम उठाने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (जम्मू) मुनीष कुमार मनहास ने 29 जुलाई को यह आदेश उस अर्जी पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसे अधिवक्ता दीपक शर्मा ने दायर किया था। अर्जी में मामले से जुड़े भौतिक, दस्तावेजी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को तत्काल सुरक्षित रखने का अनुरोध किया गया। इससे पहले, दीपक शर्मा ने नौ मई को पुलिस महानिरीक्षक (अपराध शाखा), जम्मू तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (आर्थिक अपराध शाखा), जम्मू के समक्ष एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि श्रद्धालुओं द्वारा श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ाई गई लगभग 20 टन चांदी में मिलावट, अदला-बदली, चोरी तथा संभावित गबन किया गया है। उन्होंने इस चांदी का अनुमानित मूल्य लगभग 550 करोड़ रुपये बताया था।

अर्जी को रिकॉर्ड पर लेते हुए सीजेएम ने पुलिस उपाधीक्षक (माता वैष्णो देवी भवन) को निर्देश दिया कि वह साक्ष्य संरक्षण संबंधी आवेदन में बताए गए तथ्यों पर उचित कार्रवाई करें तथा उनके द्वारा की जा रही जांच की विस्तृत रिपोर्ट अगली सुनवाई की तारीख 18 अगस्त को अदालत में प्रस्तुत करें।

गुजरात पुलिस ने पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को सरल बनाया

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात पुलिस ने मंगलवार को राज्य में पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को सरल बनाया जिसके तहत आवेदकों को सत्यापन के लिए अब पुलिस थाना नहीं जाना होगा। अब पुलिस जांच केवल नागरिकता तथा आपराधिक रिकॉर्ड तक सीमित रहेगी। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जी. एस. मलिक ने इस संबंध में निर्देश जारी किए। राज्य सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इन निर्देशों का उद्देश्य पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और नागरिकों के अनुकूल बनाना तथा अनावश्यक असुविधा को कम करना है।

संशोधित प्रक्रिया के अनुसार, पासपोर्ट आवेदकों को अब सत्यापन के लिए व्यक्तिगत रूप से पुलिस थाने में उपस्थित नहीं होना पड़ेगा। पुलिस केवल आवेदक की नागरिकता और आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच करेगी।

ई-20 पेट्रोल के खिलाफ आप का विरोध जारी रहेगा, जनता को इससे जुड़ना चाहिए : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि ई20 पेट्रोल के खिलाफ उनकी पार्टी का विरोध जारी रहेगा।

केजरीवाल ने लोगों से अपील की कि अगर वे इसे लागू होने से रोकना चाहते हैं, तो बड़ी संख्या में इस विरोध-प्रदर्शन में शामिल हों। केजरीवाल और आप के नेताओं ने मंगलवार को देश में ई-20 पेट्रोल की बिक्री के खिलाफ 2.30 लाख से अधिक ज्ञापन सौंपने के लिए 100 लोगों के साथ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें फिरोजशाह मार्ग पर ही रोक दिया था। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद केजरीवाल, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, जैस्मीन शाह और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ फिरोजशाह मार्ग पर ही धरने पर बैठ गए। विरोध मार्च के बाद आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी उन राज्यों में भी इस नीति को लागू करने के किसी भी कदम का विरोध करेगी, जहां उसके विधायक हैं। उन्होंने कहा, गोवा और गुजरात में भी हमारे विधायक हैं और हम वहां भी ई20 (नीति) पारित नहीं होने देंगे। हमारे विधायक विधानसभाओं में इसका विरोध करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि मंगलवार को विरोध मार्च में केवल 100 के करीब लोग शामिल हुए, लेकिन इन लोगों ने सोशल मीडिया पर आलोचना और ट्रोलिंग का सामना करने के बावजूद इसमें हिस्सा लेकर हिम्मत दिखाई। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर लोग ई20 से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो उन्हें बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरना होगा।'' आप सांसद संजय सिंह ने दावा किया कि उन्होंने संसद में यह मुद्दा उठाया था और उन्हें जो जवाब मिला, उससे ज्ञात होता है कि केंद्र सरकार ई20 योजना को क्रियान्वित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सिंह ने दावा किया, ''मैंने आज संसद में यह सवाल उठाया और जवाब से यह स्पष्ट हो गया है कि सरकार ई20 लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

केरल के अवर सचिव अनियमितता के आरोप में निलंबित

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने एक अवर सचिव को जेल में बंद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्षद को शहर निकाय की बैठकों में शामिल होने के लिए पैरोल देने से जुड़ी फाइल पर कार्यवाही करने के दौरान अनियमितता बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पार्षद आर. सुगातन को केरल असामाजिक गतिविधि निवारण अधिनियम (कापा) के तहत एहतियान हिरासत में रखा गया है। आधिकारिक आदेश के मुताबिक स्थानीय स्वशासन विभाग की निलंबित की गईं अवर सचिव डॉ. चित्रा पी. अरुणिमा, केरल प्रशासनिक सेवा (केएएस) की अधिकारी हैं। अधिकारी को निलंबित करने के लिए आदेश में कहा गया कि उन्होंने कथित तौर पर एक सरकारी फाइल में बिना अनुमति बदलाव किये और अतिरिक्त जानकारी जोड़ी, ताकि सुगातन को ऐसे लाभ मिल सकें जिनके लिए वह कानूनी रूप से पात्र नहीं थे। सरकारी आदेश में आरोप लगाया कि केएएस अधिकारी ने हिरासत में लिए व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए फाइल में बदलाव करके दुर्भावनापूर्ण इरादे से काम किया और उनके ये कृत्य गंभीर आधिकारिक कदाचार, शक्ति का दुरुपयोग और सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन थे।

साइबर धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया बनाए आरबीआई : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को निर्देश दिया कि वह फर्जी खातों' एवं अन्य बैंक खातों के जरिये की जाने वाली साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर उसे प्रसारित करे। 'फर्जी खाता' का मतलब ऐसे बैंक खातों से है जिनका इस्तेमाल साइबर ठगी के धन को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने साइबर वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने की व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से कई निर्देश जारी किए।

पीठ ने सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे साइबर धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतों के निवारण और गंवाए गए धन को लौटाने का मॉड्यूल शीघ्र लागू करें, ताकि पीड़ितों को राहत मिल सके। उच्चतम न्यायालय ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़े 'फर्जी दस्तावेज' मामले में स्वतः संज्ञान याचिका की सुनवाई करते हुए ये निर्देश जारी किए। 'डिजिटल अरेस्ट' में साइबर ठग खुद को पुलिस/जांच एजेंसी का सदस्य बताकर किसी व्यक्ति को ऑनलाइन डराकर या नजरबंद' जैसा माहौल बनाकर उससे पैसे ऐंठने की कोशिश करते हैं।

पीठ ने आरबीआई को इस संबंध में बनाए गए एसओपी की प्रतियां सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। साथ ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से इस संबंध में जन-जागरूकता के उपाय करने को कहा, ताकि नागरिकों को उपलब्ध व्यवस्था के बारे में पता चल सके।

आपराधिक अवमानना मामले में केजरीवाल, आप नेताओं को जवाब के लिए चार सप्ताह का समय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के खिलाफ सोशल मीडिया पर ''अपमानजनक'' पोस्ट करने के संबंध में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और आप के अन्य नेताओं के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक अवमानना कार्यवाही पर जवाब दाखिल करने के लिए उन्हें चार सप्ताह का समय दिया। केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील ने न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ को बताया कि उन्हें अब तक वह सामग्री नहीं मिली है जिसके आधार पर अवमानना का मामला शुरू किया गया है। अन्य पक्षों की ओर से पेश वकीलों ने भी इसी तरह की बात कही।

इस पर पीठ ने रजिस्ट्री से कहा कि वह प्रतिवादियों को वह सामग्री उपलब्ध कराएं और कहा, प्रतिवादी चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करें। अदालत ने 'आप' नेता गोपाल राय और पत्रकार सौरव दास को भी उस याचिका पर जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया जिसमें राय और दास पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के खिलाफ एक कथित सोची-समझी ''सोशल मीडिया मुहिम'' का हिस्सा बनने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई का अनुरोध किया गया था। अदालत ने इस मामले की सुनवाई के लिए 21 सितंबर की तारीख तय की।

हनीमून हत्याकांड : राजा और सोनम की शादी के 15 महीने बाद बकाया भुगतान को लेकर थाने पहुंचा केटरर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मेघालय में हनीमून के दौरान मारे गए इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की शादी के करीब 15 महीने बाद उनके विवाह समारोह का केटरर 2.82 लाख रुपये के कथित बकाया भुगतान को लेकर मंगलवार को एक स्थानीय थाने पहुंचा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई से इनकार करते हुए कहा कि दो पक्षों के बीच लेन-देन का यह दीवानी प्रकृति का विवाद पुलिस के हस्तक्षेप के योग्य नहीं है। राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी मई 2025 में विवाह के कुछ दिनों बाद हनीमून के लिए मेघालय गए थे, जहां राजा की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मेघालय पुलिस ने सोनम, उसके कथित प्रेमी राज कुशवाह और भाड़े के तीन हत्यारों को गिरफ्तार किया था। इंदौर के केटरर हितेश रोहिरा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि राजा और सोनम के परिवारों ने उन्हें शादी में खानपान की व्यवस्था के लिए 11,42,550 रुपये का ठेका संयुक्त रूप से दिया था। उन्होंने दावा किया कि इसमें से उन्हें 8,60,000 रुपये का भुगतान मिला, जबकि 2,82,550 रुपये अब भी बकाया हैं। रोहिरा ने कहा कि बकाया राशि के लिए वह राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी और सोनम के बड़े भाई गोविंद रघुवंशी से कई बार संपर्क कर चुके हैं, लेकिन दोनों एक-दूसरे पर भुगतान की जिम्मेदारी डाल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह एक अप्रैल को अपने वकील के जरिये विपिन और गोविंद को कानूनी नोटिस भी भेज चुके हैं, लेकिन उन्हें बकाया रकम अब तक नहीं मिली है। केटरर ने कहा कि इस मामले में वह विपिन एवं गोविंद के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने द्वारकापुरी थाने पहुंचे थे, लेकिन उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। इस बारे में पूछे जाने पर द्वारकापुरी थाने के प्रभारी मनीष मिश्रा ने कहा कि दो पक्षों के बीच धन के लेन-देन का विवाद पुलिस के हस्तक्षेप के योग्य नहीं है क्योंकि यह दीवानी मुकदमे का मामला है।

इस बीच, राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने केटरर के दावे को खारिज करते हुए कहा, केटरर को सोनम के बड़े भाई गोविंद ने बुक किया था। हमारे परिवार का केटरर के साथ कोई लेन-देन बाकी नहीं है।'' सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी ने दावा किया कि केटरर को लगभग पूरा भुगतान किया जा चुका है। गोविंद ने कहा,'केटरर अब तक कहां था? शादी के करीब 15 महीने बाद वह महज सस्ता प्रचार पाने के लिए भुगतान बकाया होने की बात कर रहा है।''

तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप में तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

द्विअर्थी बयान मामले में पुलिस ने की उदयनिधि से पूछताछ

चेन्नई। द्रमुक के नेता उदयनिधि स्टालिन को कथित द्विअर्थी बयान मामले में गिरफ्तारी के बाद तंजावुर के निकट सेंगीपट्टी थाने ले जाया गया और पूछताछ की गई। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तंजावुर शहर में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने यू-टर्न लिया और उदयनिधि को लगभग 27 किलोमीटर दूर स्थित सेंगीपट्टी थाने ले गई। पहले उदयनिधि से पूछताछ के लिए उन्हें तंजावुर ईस्ट टाउन थाने ले जाने की योजना थी। हालांकि, सूत्रों का दावा है कि पुलिस ने इस दौरान कई बार अपना मार्ग बदल दिया। जैसे ही यह खबर फैली कि उदयनिधि को ले जा रहा पुलिस वाहन सेंगीपट्टी में रुका है, वहां भी बड़ी संख्या में द्रमुक कार्यकर्ता जुट गए। उन्होंने उदयनिधि के समर्थन में और टीवीके सरकार के खिलाफ नारे लगाए। पुलिस वाहन से उतरने के बाद उदयनिधि ने हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया। इसके बाद वह पैदल सेंगीपट्टी थाने के अंदर गए और उनसे पूछताछ की गई। इस दौरान द्रमुक के कई वरिष्ठ नेता भी वहां पहुंचे।

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा कृष्णन को लेकर ''द्विअर्थी'' टिप्पणी करने और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

कावेरी डेल्टा के एक शहर में विरोध मार्च के दौरान कथित रूप से की गई विवादित टिप्पणी के सिलसिले में उदयनिधि को गिरफ्तार किए जाने के बाद पुलिस वैन से तंजावुर ले जाया गया। पुलिस ने उनके खिलाफ अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करने, किसी महिला की गरिमा को भंग करने सहित कानून की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उदयनिधि की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनकी गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए पूरे राज्य में जबरदस्त प्रदर्शन शुरू कर दिया और 'सड़कों को जाम' कर दिया। इस बीच, पांच अगस्त से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र से पहले आगे की रणनीति तय करने के लिए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने पार्टी मुख्यालय में आपात बैठक बुलाई। पार्टी सूत्रों ने बताया कि उदयनिधि की अग्रिम जमानत के लिए मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया गया। वहीं, वरिष्ठ द्रमुक नेता के. एन. नेहरू ने कहा कि उदयनिधि की टिप्पणी को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया।

तंजावुर पुलिस ने उदयनिधि को चेन्नई के नीलांकरई स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद उदयनिधि ने वहां मौजूद संवाददाताओं से कहा, फैसला अदालत करेगी। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री के अलावा किसी का नाम लिया क्या? फिर आपको क्यों लगता है कि (उस टिप्पणी के कारण) यह सब हो रहा है? फैसला अदालत को करने दीजिए। इसके बाद पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई। उदयनिधि के खिलाफ नौ धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इनमें विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने, दंगा भड़काने के इरादे से लोगों को उकसाने, महिला की गरिमा को आहत करने और आपराधिक धमकी देने जैसी धाराएं शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम की धाराएं भी लगाई गई हैं। पुलिस अधिकारियों ने द्रमुक के शीर्ष नेता उदयनिधि स्टालिन को गिरफ्तार करने से पहले उनके परिवार और पार्टी के वरिष्ठ नेता मा. सुब्रमण्यम से बातचीत की।

इस दौरान बड़ी संख्या में द्रमुक कार्यकर्ता उदयनिधि के आवास के बाहर एकत्र हो गए और अपने नेता के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में नारेबाजी करने लगे। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बातचीत जारी रखी। इस बीच, सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने उदयनिधि की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ अपना विरोध तेज करते हुए मंगलवार को स्थानीय पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग, दोनों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। टीवीके की तंजावुर केंद्रीय जिला महिला शाखा की संयोजक एस. बैरवी ने तंजावुर पूर्व थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि तीन अगस्त को कावेरी मुद्दे पर विपक्ष के नेता के भाषण के दौरान जब भीड़ ''तृषा, तृषा'' के नारे लगा रही थी, तो उन्होंने अशोभनीय और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उदयनिधि और द्रमुक की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शाखा के पदाधिकारियों ने जानबूझकर महिलाओं का अपमान किया, अभिनेत्री तथा अन्य महिलाओं को मानसिक पीड़ा पहुंचाई और सार्वजनिक अशांति फैलाने के उद्देश्य से घटना का दो मिनट 39 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स' पर प्रसारित किया। उधर, टीवीके के राष्ट्रीय प्रवक्ता पाझा सेल्वाकुमार ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष भी औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

सत्तारूढ़ दल ने आयोग से उदयनिधि को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगने और उनसे बिना शर्त सार्वजनिक माफी की मांग करने का अनुरोध किया। इस बीच, उदयनिधि की गिरफ्तारी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए द्रमुक कार्यकर्ताओं ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया और डीएमडीके प्रमुख प्रेमलता विजयकांत और अन्नाद्रमुक के उप महासचिव के.पी. मुनुसामी समेत कई राजनीतिक नेताओं ने सरकार की इस कार्रवाई की आलोचना की।

उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी के बाद तमिलनाडु में कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि को मंगलवार सुबह पूर्वी तंजावुर के एक पुलिस दल ने चेन्नई के नीलांकरई स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया। उनकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) कार्यकर्ताओं ने कई स्थानों पर प्रदर्शन किए, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। करूर में द्रमुक कार्यकर्ताओं ने पुराने बस अड्डे के निकट धरना दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस कार्रवाई के विरोध में तिरुवन्नामलाई में भी सड़क जाम किया। सलेम और मदुरै में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। तंजावुर में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय का पुतला फूंककर गिरफ्तारी का विरोध जताया।

राजनीतिक टकराव के बीच अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। थेनी में पुलिस ने उदयनिधि की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे द्रमुक के वरिष्ठ नेता ओ. पन्नीरसेल्वम को हिरासत में ले लिया। तमिलनाडु के स्कूली शिक्षा एवं तमिल विकास मंत्री राजमोहन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि द्रमुक कार्यकर्ताओं ने आम लोगों पर हमला किया। उन्होंने लिखा, द्रमुक कार्यकर्ताओं द्वारा सड़क जाम नहीं करने और आम जनता को परेशानी नहीं पहुंचाने का आग्रह करने वाले एक दोपहिया वाहन चालक की बेरहमी से पिटाई किए जाने का दृश्य बेहद चौंकाने वाला है।'' मंत्री ने इस घटना को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि ''कानून अपना काम करेगा''। यह विवाद तीन अगस्त को तंजावुर में कावेरी जल विवाद को लेकर उदयनिधि के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन से जुड़ा है। प्रदर्शन के दौरान द्रमुक ने राज्य में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) से कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय परियोजना को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने, किसानों के सभी ऋण पूरी तरह माफ करने और डेल्टा जिलों को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की।

उदयनिधि के संबोधन के दौरान भीड़ के एक वर्ग ने अभिनेत्री तृषा का नाम लेकर नारे लगाए। इस पर उदयनिधि ने एक टिप्पणी की, जिसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश इकाई के नेताओं और टीवीके सहित राजनीतिक विरोधियों ने आपत्तिजनक द्विअर्थी टिप्पणी करार दिया। भाषण के बाद टीवीके के एक राष्ट्रीय प्रवक्ता ने राष्ट्रीय महिला आयोग को एक ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप करने, उदयनिधि से बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने और उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज करने की मांग की।

विपक्ष ने पांच अगस्त के तमिलनाडु विधानसभा सत्र से पहले उदयनिधि की गिरफ्तारी की निंदा की

चेन्नई। तमिलनाडु में राजनीतिक दलों के नेताओं ने मंगलवार को एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली कथित टिप्पणी से जुड़े मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। उदयनिधि को पुलिस द्वारा तंजावुर ले जाए जाने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने कमजोर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले गिरफ्तारी का समय चुना जाना संदेह पैदा करता है। उन्होंने तर्क दिया कि विपक्ष के नेता की पूर्ण अनुपस्थिति में विधानसभा का संचालन करना 'बेहद निंदनीय' है और यह दर्ज मामले से परे किसी गहरे राजनीतिक षड्यंत्र या मकसद की व्यापक आशंकाओं को जन्म देता है। हालांकि, अन्नाद्रमुक नेता ने उदयनिधि के व्यक्तिगत आचरण की भी आलोचना की। पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी लंबे समय से मानती रही है कि उदयनिधि की बयानबाजी पर लगाम लगाने की जरूरत है क्योंकि वह बिना अपने पद की गरिमा समझे महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं।

उन्होंने कहा, उनके भाषण के लिए मामला दर्ज करना एक बात है, लेकिन आज विपक्ष के नेता को गिरफ्तार करने का प्रयास संदेह पैदा करता है। पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए डीएमडीके प्रमुख प्रेमलता विजयकांत ने कहा, विपक्ष की आवाज दबाने का यह कृत्य निंदनीय है। उन्होंने इसकी तुलना औपनिवेशिक दौर से करते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन के समय मुंह बंद करने वाला कानून था और इसी तरह विपक्षी दलों की आवाज दबाने की मौजूदा कार्रवाई भी निंदनीय है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक तर्कों का जवाब तर्कों से देना ही लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखता है और गिरफ्तारी को समाधान नहीं माना जाना चाहिए। अन्नाद्रमुक के उप महासचिव के. पी. मुनुसामी ने भी सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ''सत्ता का दुरुपयोग कर'' विपक्ष के नेता को गिरफ्तार करा रहे हैं।

द्रमुक नेता थंगम थेन्नारसु ने गिरफ्तारी को लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया। वहीं, विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) प्रमुख टी. थिरुमावलवन ने उदयनिधि की टिप्पणी को सभ्य राजनीति में अस्वीकार्य बताते हुए उनसे भीड़ को खुश करने वाली बिना सोचे-समझे बयानबाजी छोड़ने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि इस घटना की देशभर में आलोचना हुई है। हालांकि, थिरुमावलवन ने राज्य सरकार से पांच अगस्त से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र से पहले उदयनिधि की गिरफ्तारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसा संयम सत्तारूढ़ दल की छवि को बेहतर करेगा और सभी दलों को केंद्र सरकार से तमिलनाडु के कावेरी जल अधिकारों की मांग के लिए एकजुट होने में मदद करेगा।

द्रमुक सांसद कनिमोझी ने 'एक्स' पर कहा कि सरकार कानून के खिलाफ दमनकारी तरीकों का सहारा ले रही है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, विपक्ष के नेता को इस तरह गिरफ्तार करना, केवल उन्हें कल से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में भाग लेने से रोकने के लिए, घोर कायरता है। द्रमुक नेताओं अनबिल महेश, थंगम थेन्नारसु, मा. सुब्रमणियन और के. एन. नेहरू ने भी पुलिस कार्रवाई की निंदा की।

ग्लेनेगल्स अस्पताल ने बहुविषयक उन्नत यकृत ओपीडी सुइट का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फोर्टिस हेल्थकेयर नेटवर्क का हिस्सा ग्लेनेगल्स हॉस्पिटल चेन्नई ने अपनी व्यापक लिवर देखभाल सेवाओं को और मजबूत करते हुए नए लिवर ओपीडी सुइट का शुभारंभ किया है। यह लिवर रोगों के मूल्यांकन, निदान और उपचार के लिए एक समर्पित, उच्च क्षमता वाला क्लिनिकल हब है। एक व्यापक लिवर देखभाल सुविधा के रूप में डिज़ाइन किया गया यह सुइट लिवर रोग के हर चरण और हर आयु वर्ग के लोगों को एकीकृत देखभाल प्रदान करता है।

इस केंद्र का उद्घाटन प्रसिद्ध अभिनेता, निर्देशक, रेडियो जॉकी और समाजसेवी आर.जे. बालाजी ने फोर्टिस हेल्थकेयर के ग्रुप चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अनिल विनायक, ग्लेनेगल्स हॉस्पिटल चेन्नई की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर और हॉस्पिटल हेड डॉ. एस. निरंजनी, ग्लेनेगल्स हॉस्पिटल, चेन्नई के हेपेटोलॉजी और ट्रांसप्लांट हेपेटोलॉजी निदेशक डॉ. जॉय वर्गीज और अस्पताल के मेडिकल सर्विसेज हेड डॉ. बिश्वरूप पाल की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर पर फोर्टिस हेल्थकेयर के ग्रुप चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अनिल विनायक ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत में लिवर रोग का स्वरूप नाटकीय रूप से बदल गया है। आज हम वायरल हेपेटाइटिस या शराब से संबंधित सिरोसिस से कहीं अधिक गंभीर रोग देख रहे हैं। मोटापा और मधुमेह से जुड़े मेटाबोलिक स्टीटोटिक लिवर रोग, शैशवावस्था में प्रकट होने वाले वंशानुगत लिवर विकार, प्राथमिक और माध्यमिक लिवर कैंसर, और हेपेटोरेनल सिंड्रोम जैसी जटिल स्थितियां, जिनमें एक साथ कई अंग प्रभावित होते हैं, का बोझ लगातार बढ़ रहा है। ये ऐसी स्थितियां नहीं हैं जिनका प्रबंधन पारंपरिक आउट पेशेंट मॉडल के माध्यम से किया जा सके। इनमें त्वरित निदान, समन्वित निर्णय लेने और कई विशेषज्ञों के संयुक्त सहयोग की आवश्यकता होती है। इस उन्नत लिवर ओपीडी सुइट को ठीक यही प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है - एक उच्च क्षमता वाली, एकीकृत नैदानिक प्रणाली जो मूल्यांकन और निदान से लेकर उन्नत चिकित्सा, हस्तक्षेप, शल्य चिकित्सा और प्रत्यारोपण देखभाल तक रोगी की पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि रोगियों को सही समय पर सही उपचार मिले। ग्लेनईगल्स अस्पताल के हेपेटोलॉजी एवं ट्रांसप्लांट हेपेटोलॉजी निदेशक डॉ. जॉय वर्गीस ने भी इस अवसर पर अपना विचार व्यक्त किया।

अपने पहले बजट में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलावों की घोषणा कर सकती है टीवीके की तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार अपने पहले बजट में शिक्षा से जुड़ी कई बड़ी योजनाओं की घोषणा कर सकती है। इनमें सरकारी स्कूलों से सरकारी कॉलेजों में जाने वाले छात्रों के लिए 8,000 रुपये की आर्थिक मदद और छोटे किसानों के बच्चों के लिए मुफ्त उच्च शिक्षा जैसी योजनाएं शामिल हैं।

तमिलनाडु का बजट 5 अगस्त को विधानसभा में पेश किया जाएगा और उसके बाद 6 अगस्त को कृषि बजट पेश किया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए तैयारियां चल रही हैं। लोगों को इससे काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि यह विजय सरकार का पहला पूर्ण बजट होगा। खबरों के अनुसार, शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के मकसद से वेट्री तमिलनाडु नाम के पांच साल के विजन प्लान के तहत शिक्षा से जुड़ी कई घोषणाओं पर विचार किया जा रहा है। सरकार से यह भी उम्मीद है कि वह शिक्षा को 'राज्य सूची' में लाने के अपने रुख को दोहराएगी और शिक्षा क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को दूर करने के उपायों की रूपरेखा बताएगी। इन बाधाओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नीट परीक्षा को लागू करना भी शामिल है।

खबरों के मुताबिक, जिन प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है, उनमें अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम से लेकर रिसर्च स्टडीज़ तक के कोर्स करने वाले छात्रों के लिए 20 लाख रुपये तक का बिना गारंटी वाला एजुकेशन लोन शामिल है। सरकार उन किसानों के बच्चों के लिए मुफ्त उच्च शिक्षा की घोषणा भी कर सकती है, जिनके पास दो एकड़ से कम खेती योग्य जमीन है। एक और अहम प्रस्ताव यह है कि सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट एडमिशन में आरक्षण को मौजूदा 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया जाए।

उन जिलों में पांच नए सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है, जहां अभी कोई सरकारी प्रोफेशनल कॉलेज नहीं है। लगभग 30 सरकारी आर्ट्स और साइंस कॉलेजों को ऑटोनॉमस संस्थानों में अपग्रेड भी किया जा सकता है। कॉलेज एडमिशन से जुड़े आर्थिक बोझ को कम करने के लिए, सरकार उन छात्रों के लिए 8,000 रुपये की एकमुश्त सहायता की योजना बना रही है, जिन्होंने सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की है और बाद में सरकारी कॉलेजों में एडमिशन लिया है।

बजट उभरती हुई टेक्नोलॉजी को भी बड़ा बढ़ावा दे सकता है। सरकार 'पेरियार इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी' स्थापित करने पर विचार कर रही है। यह एक खास यूनिवर्सिटी होगी जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी, क्लाइमेट टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। प्रस्तावित उपाय सरकार के व्यापक पांच साल के शिक्षा रोडमैप का एक अहम हिस्सा होंगे और बजट में इनके लिए फंडिंग और इन्हें लागू करने के बारे में जानकारी दी जा सकती है।

महारुद्राभिषेक का आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। तमिलनाडु सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री संपत कुमार से मंगलवार को जगन्नाथ टेक्सटाइल समूह के रमेश टिबरेवाल, राजधानी संघ के पूर्व अध्यक्ष रमेश सुतलिया, श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर)के संस्थापक राजेश कुमार गादिया, सेवा संघ के महामंत्री टाइगर खारीवाल ने उनसे मुलाकात की। रमेश टिबरेवाल ने मंत्री से व्यक्तिगत रूप से आयोजन में आगमन का न्योता दिया और कहा कि गत बीस वर्षों से भगवान शिव के रुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा और भक्तों में इस आयोजन को लेकर अति उत्साह देखने में आता है। रमेश सुतलिया ने मंत्री संपत कुमार से टिबरेवाल समूह के सामाजिक कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। मंत्री संपत कुमार ने कहा कि इस वार्षिक रुद्राभिषेक में जरूर सम्मिलित होने की कोशिश करेंगे और वो भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने को तत्पर भी हैं। आगामी रविवार को राजस्थानी संघ के विशाल प्रांगण में सुबह से श्रावण मास के मौके पर महारुद्राभिषेक, महाश्रृंगार और महाआरती का आयोजन किया जा रहा है।

कर्नाटक से छोड़े गए पानी से कावेरी उफान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/कोयंबटूर। कर्नाटक के जलाशयों से अधिक पानी छोड़े जाने और जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण तमिलनाडु में कावेरी नदी के प्रवेश बिंदु बिलिगुंडलू पर जलप्रवाह मंगलवार सुबह बढ़कर 18,000 क्यूसेक पहुंच गया। पानी के बहाव में अचानक हुई बढ़ोतरी से मेट्टूर बांध में पानी बढ़ने की उम्मीद है। इससे कावेरी डेल्टा के किसानों को बहुत जरूरी राहत मिलेगी, क्योंकि वहां पानी की कमी एक बड़ी चिंता रही है। अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक के काबिनी और कृष्ण राज सागर जलाशयों से छोड़े गए पानी का बहाव मंगलवार तड़के बिलिगुंड्लु पहुंचना शुरू हो गया। सोमवार शाम को पानी का बहाव सिर्फ 500 क्यूसेक था, जो मंगलवार तड़के बढ़कर लगभग 1,000 क्यूसेक हो गया। इसके बाद सुबह 7 बजे तक यह तेजी से बढ़कर 8,000 क्यूसेक हो गया और सुबह 10 बजे तक दोगुने से भी ज्यादा होकर 18,000 क्यूसेक तक पहुंच गया।

कावेरी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के बाद कर्नाटक काबिनी और केआरएस जलाशयों से 27,000 क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ रहा है, इसलिए बहाव के और बढ़ने की उम्मीद है। कर्नाटक से छोड़ा गया पानी कावेरी नदी के जरिए मेट्टूर जलाशय में पहुंचने से पहले बिलिगुंड्लु पहुंचता है। यह जलाशय तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में सिंचाई का एक अहम स्रोत है। अधिकारियों को उम्मीद है कि बिलिगुंड्लु में दर्ज पानी का नया बहाव मंगलवार शाम या रात तक मेट्टूर बांध तक पहुंच जाएगा, जिससे जलाशय में पानी के बहाव में काफ़ी सुधार होगा। फिलहाल, मेट्टूर में स्थिति कमजोर बनी हुई है। जलाशय का जलस्तर 73.18 फीट है, जबकि इसकी पूरी क्षमता 120 फीट है। बांध में पानी का बहाव सिर्फ 68 क्यूसेक था, जबकि निचले इलाकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 1,500 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था।

तमिलनाडु के किसानों को राहत मिलने की उम्मीद

कावेरी का पानी कुछ ही घंटों में जलाशय तक पहुंचने की उम्मीद है, इसलिए अधिकारी बहाव में तेजी और पानी के भंडार में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद कर रहे हैं। कावेरी डेल्टा के किसानों में उम्मीद जगी है, खासकर इसलिए क्योंकि यह इलाका खेती के लिए पानी की अपर्याप्त उपलब्धता की समस्या का सामना कर रहा है। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश और कर्नाटक के जलाशयों से लगातार पानी छोड़े जाने से आने वाले दिनों में तमिलनाडु में पानी का बहाव और मजबूत हो सकता है। अधिकारी काबिनी और केआरएस से छोड़े जा रहे पानी के साथ-साथ बिलिगुंड्लु और मेट्टूर में दर्ज बहाव पर भी बारीकी से नजर रख रहे हैं।

जनआंदोलन से जीतेंगे टीबी की जंग : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तकनीकी नवाचार, समयबद्ध उपचार और व्यापक जनभागीदारी से टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, माइक्रो बायोलॉजिकल जांच नेटवर्क तथा समुदाय आधारित सक्रिय खोज अभियान को एकीकृत कर बहु-आयामी रणनीति लागू की है। इसके चलते प्रदेश में टीबी की शीघ्र पहचान, गुणवत्तापूर्ण जांच तथा उपचार तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार आया है। इससे टीबी के प्रत्येक संभावित मरीज की पहचान कर संक्रमण की श्रृंखला को समाप्त किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना कि 'टीबी मुक्त राजस्थान' केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन के सहयोग से संचालित जनआंदोलन है। राजस्थान टीबी की जंग हर हाल में जीतेगा। सरकार प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को टीबी मुक्त बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक तकनीक, सुदृढ़ जांच व्यवस्था, व्यापक जनभागीदारी तथा स्वास्थ्य विभाग के सतत प्रयासों से राजस्थान शीघ्र ही टीबी मुक्त हो सकेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेशभर में टीबी उन्मूलन की गतिविधियों को मिशन मोड में क्रियान्वित किया गया है। राज्य में वर्तमान में 137 हैंड हेल्ड डिजिटल एक्स-रे मशीनों के माध्यम से ग्राम पंचायत एवं प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थान स्तर तक विशेष स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन पोर्टेबल मशीनों के कारण दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में भी मौके पर ही चेस्ट एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध हो रही है, जिससे संभावित टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान संभव हो रही है। साथ ही, प्रदेश में 643 नाट मशीनों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है, जिससे संदिग्ध मरीजों की त्वरित एवं उच्च गुणवत्ता वाली माइक्रोबायोलॉजिकल जांच सुनिश्चित हो रही है। इससे टीबी की पुष्टि कम समय में संभव होने के साथ-साथ दवा ड्रग रेजिस्टेंट टीबी की पहचान भी तेजी से हो रही है और मरीजों का उपचार शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने टीबी नियंत्रण कार्यक्रम में एआई आधारित तकनीक का भी प्रभावी उपयोग प्रारम्भ किया है। एआई द्वारा विकसित तीन प्रमुख समाधान, कफ अगेंस्ट टीबी, प्रेडिक्शन आफ एडवर्स टीबी आउटकम्स तथा वलनरेबिलिटी मैपिंग फॉर टीबी को चरणबद्ध रूप से कार्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। कफ अगेंस्ट टीबी तकनीक खांसी की ध्वनि और लक्षणों का विश्लेषण कर फेफड़ों की संभावित टीबी की प्रारंभिक पहचान में सहायता प्रदान करती है। प्रेडिक्शन ऑफ एडवर्स टीबी आउटकम्स तकनीक लाखों टीबी मरीजों के आंकड़ों का विश्लेषण कर उन मरीजों की पहचान करती है, जिनमें उपचार के दौरान जटिलताओं की संभावना अधिक होती है, जिससे उन्हें समय पर विशेष चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराई जा सके। वहीं वलनरेबिलिटी मैपिंग फॉर टीबी तकनीक निक्षय पोर्टल तथा विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य संकेतकों के आधार पर ऐसे क्षेत्रों की पहचान करती है जहां टीबी का जोखिम अधिक है, जिससे सक्रिय रोगी खोज अभियान को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। राज्य में 14 जुलाई से संचालित विशेष सक्रिय क्षय रोग खोज अभियान के अंतर्गत अब तक 85 लाख से अधिक नागरिकों की स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा चुकी है। उच्च जोखिम वाले समूहों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर आवश्यक जांच एवं उपचार से जोड़ा जा रहा है। इससे पहले टीबी मुक्त भारत अभियान - 100 दिवसीय के दौरान 24 मार्च से 27 जुलाई तक प्रदेश में 38 लाख 23 हजार लोगों की स्क्रीनिंग, 34 लाख 37 हजार के चेस्ट एक्स-रे, 2 लाख 79 हजार की नाट जांचें कर 58 हजार 358 नए टीबी मरीजों की पहचान की गई। अभियान में 15,302 ऐसे रोगी टीबी से ग्रसित पाए गए, जिनमें टीबी के लक्षण असिम्प्टोमैटिक थे।

टीबी उन्मूलन की मुहिम को तेज करने के लिए राज्य में जनभागीदारी पर विशेष फोकस किया गया है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, माय भारत स्वयंसेवकों, निक्षय मित्रों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा विभिन्न विभागों के सहयोग से टीबी के प्रति जागरूकता, पोषण सहायता एवं सामाजिक समर्थन का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी समन्वित प्रयास का परिणाम है कि वर्ष 2025 में प्रदेश की 6,547 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की जा चुकी हैं। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित प्रगति बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुरूप भारत सरकार द्वारा राजस्थान के लिए संयुक्त सचिव स्तर के राज्य प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति भी की गई है, जिससे राज्य में कार्यक्रम की नियमित समीक्षा, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय तथा जिला स्तर तक प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा रही है।

मुद्रा योजना से 2.55 करोड़ लाभार्थियों को मिला 2.18 लाख करोड़ रुपये का ऋण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत अब तक 2.55 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को 2.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। इनमें लगभग 60 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने सूक्ष्म विनिर्माण इकाइयों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं और अन्य गैर-निगमित लघु उद्यमों को संस्थागत वित्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल दो करोड़ 55 लाख 91 हजार 381 लाभार्थियों को दो लाख 18 हजार 423 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 1.54 करोड़ से अधिक महिलाओं ने 67 हजार 982 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण प्राप्त किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ही राजस्थान में 23.74 लाख से अधिक लाभार्थियों को 31 हजार 460 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए।

बयान में कहा गया कि इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की साहूकारों जैसे गैर-संस्थागत ऋण स्रोतों पर निर्भरता कम हुई है, क्योंकि उन्हें संस्थागत वित्त तक आसान पहुंच उपलब्ध हुई है।

लोकसभा में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी द्वारा दिए गए एक लिखित उत्तर का हवाला देते हुए बयान में कहा गया है कि जून, 2026 तक देशभर में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 59.14 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को 41.71 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं।

वर्ष 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमों को 20 लाख रुपये तक का बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

बयान में कहा गया है कि यह योजना दुकानदारों, परिवहन संचालकों, कारीगरों, खाद्य सेवा इकाइयों और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं सहित छोटे उद्यमियों के लिए बड़ा सहारा बनकर उभरी है तथा स्वरोजगार और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

दौसा के मंडावर में 107 मिमी बारिश हुई, राजस्थान में फिर सक्रिय होगा मानसून

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटों में भारी बारिश हुई तथा दौसा जिले के मंडावर में सर्वाधिक 107 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटे में दौसा, डीडवाना-कुचामन, हनुमानगढ़, कोटा और सिरोही जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हुई। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में उत्तर-पूर्वी राजस्थान के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण तंत्र बना हुआ है।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को भरतपुर, जयपुर और बीकानेर संभागों के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भरतपुर संभाग के अलग-अलग इलाकों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है।शर्मा ने कहा कि पांच अगस्त को राज्य के उत्तर-पूर्वी और उत्तरी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार छह-सात अगस्त को पूर्वी राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में एक नया चक्रवाती परिसंचरण तंत्र बनने की संभावना है, जिससे मानसून फिर सक्रिय होगा और राज्यभर में वर्षा गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी।

विभाग का कहना है कि सात से 10 अगस्त तक भरतपुर, कोटा, जयपुर और अजमेर संभागों में कई स्थानों पर मध्यम से भारी तथा कुछ स्थानों पर अति भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग के मुताबिक अगले दो-तीन दिनों तक जोधपुर और बीकानेर संभागों के कुछ हिस्सों में वर्षा गतिविधियां अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है, लेकिन सात एवं नौ अगस्त के बीच इनमें फिर तेजी आने के आसार हैं। इस बीच, राजस्थान में एक जून से तीन अगस्त तक 204.64 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि का सामान्य औसत 227.24 मिमी है। इस प्रकार राज्य में 9.94 प्रतिशत कम वर्षा हुई है, जो भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की सामान्य वर्षा श्रेणी में आती है।

राज्य के अजमेर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर संभाग सामान्य वर्षा श्रेणी में हैं जबकि कोटा संभाग में 25.46 प्रतिशत तथा भरतपुर संभाग में सामान्य से 30.76 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। यह जानकारी राज्य के जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट में दी गई है। जिला स्तर पर फलोदी एकमात्र ऐसा जिला है, जहां सामान्य से 60 प्रतिशत या उससे अधिक वर्षा होने के कारण उसे असामान्य वर्षा श्रेणी में रखा गया है।

बाड़मेर, ब्यावर, बीकानेर, डीडवाना-कुचामन और सलूंबर जिलों में सामान्य से 20 से 59 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है, जिसके कारण इन्हें अधिक वर्षा वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य के 16 जिले सामान्य वर्षा श्रेणी में हैं, जबकि राजधानी जयपुर, कोटा, उदयपुर, अलवर, दौसा, धौलपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, करौली और सवाई माधोपुर सहित 19 जिले अब भी वर्षा की कमी वाली श्रेणी में हैं।

राजपूत करणी सेना के प्रदर्शन के बाद प्रदर्शनकारी की मौत, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजपूत करणी सेना की ओर से यहां आयोजित प्रदर्शन के बाद एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। संगठन ने दावा किया है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई के कारण उसकी जान चली गई। सोमवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के यूजीसी विनियम-2026 वापस लेने तथा सवर्ण समाज से जुड़ी अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया था। करणी सेना के नेताओं के अनुसार मृतक की पहचान डीडवाना-कुचामन जिले के पालाड़ा के निवासी देवराज सिंह के रूप में हुई है। संगठन का दावा है कि प्रदर्शन के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया।

करणी सेना ने कहा कि बाद में देवराज सिंह को सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि पुलिस की ओर से किए गए पानी की बौछार किये जाने से देवराज सिंह घायल हो गए थे। उन्होंने कहा, कालवाड़ रोड पर पुलिस ने पानी की बौछार की। पानी की तेज धार उनके सीने पर लगी, जिससे उन्हें चोट आई। मकराना ने दावा किया कि घर पहुंचने पर देवराज सिंह ने सीने में दर्द की शिकायत की और उसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने अभी तक मौत के सटीक कारण की पुष्टि नहीं की है।

सोमवार को प्रदर्शन के दौरान कालवाड़ रोड सहित कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार की थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की की घटनाएं भी सामने आई थीं। रैली के बाद प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट सर्किल पर एकत्र हुए और कुछ देर तक सड़क जाम रखा। बाद में शाम को वे वहां से चले गए।

निकाय और पंचायत चुनाव में कांग्रेस करेगी शानदार जीत : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चार दिवसीय जोधपुर प्रवास के दौरान कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और आमजन से लगातार मुलाकात कर जनसुनवाई की। प्रवास के समापन पर सोजत रवाना होने से पहले मीडिया से बातचीत में उन्होंने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस निकाय और पंचायत चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार, मजबूत, संगठित और एकजुट है तथा पार्टी इस चुनाव में शानदार जीत दर्ज करेगी। गहलोत ने आरोप लगाया कि प्रदेश में शासन-प्रशासन प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रहा है और आम लोगों की समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही।

उन्होंने कहा कि विभागों में फाइलें लंबित हैं, पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के मामलों में अनावश्यक देरी हो रही है तथा जनता को राहत के लिए भटकना पड़ रहा है। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों को नियमित जनसुनवाई कर लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने जोधपुर के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की कई जनहितकारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है, जिससे आमजन प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को सोशल मीडिया और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सामने आ रहे जनहित के मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था पर भी चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेश में हत्या और अन्य गंभीर अपराधों की घटनाएं बढ़ रही हैं तथा प्रशासन अपराध नियंत्रण में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल औपचारिक कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय प्रभावी प्रशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए।

नदी प्रदूषण : न्यायालय ने राजस्थान को 20-सूत्री समाधान योजना तैयार करने का सुझाव दिया

नयी दिल्ली। उच्चतम नयायालय ने मंगलवार को राजस्थान सरकार को सुझाव दिया कि राज्य की जोजरी, बांडी और लूणी नदियों में हो रहे प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 20-सूत्री समाधान योजना तैयार की जाए। जोजरी नदी जोधपुर से होकर गुजरती है, बांडी नदी पाली से बहती है जबकि लूणी नदी बालोतरा से होकर गुजरती है। बांडी और जोजरी नदियां बालोतरा शहर के पास लूणी नदी में मिल जाती हैं। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि इस समस्या का स्थायी समाधान खोजा जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि पाली का पूरा औद्योगिक क्षेत्र नदी के किनारे स्थित है और दीर्घकाल में राज्य सरकार को उद्योगों को नदी के किनारे से हटाकर किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने पर भी विचार करना पड़ सकता है। अदालत ने कहा, राज्य सरकार एक समाधान योजना लेकर आए। उच्चतम न्यायालय जोजरी नदी में प्रदूषण से जुड़े एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा था।

धारीवाल के बयान से गहलोत-पायलट में गुटबाजी आई सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। क्या राजस्थान में कांग्रेस का हाईकमान दिल्ली में बैठा है या अभी भी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास ही है? यह सवाल एक बार फिर तब सामने आया जब सीनियर कांग्रेस लीडर शांति धारीवाल ने हाल ही में गहलोत को राज्य में पार्टी का 'हाईकमान' कहा। इस बात पर कांग्रेस के अंदर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं और एक बार फिर संगठन में चल रही गहरी गुटबाजी सामने आ गई। इस घटना के तुरंत बाद, जयपुर में पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों पर चर्चा के लिए बुलाई गई बैठक में पार्टी एक बार फिर बुरी तरह बंटी हुई दिखी। बैठक अंदरूनी नाराजगी, पावर सेंटर्स में हो रही टक्कर और लीडरशिप के दावों के पब्लिक डिस्प्ले में बदल गई। ऐसे समय में जब कांग्रेस अहम म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और पंचायत चुनावों की तैयारी कर रही है, पार्टी की बहस कांग्रेस के लिए एक और असहज नजारा बन गई, जब मालवीय नगर की पूर्व प्रत्याशी अर्चना शर्मा ने खुले तौर पर आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के दौरान उनकी सबसे बड़ी लड़ाई भाजपा के खिलाफ नहीं बल्कि अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ थी।

उन्होंने दावा किया कि चुनावों से करीब छह महीने पहले उनके खिलाफ एक साजिश शुरू हो गई थी, जिससे उन्हें राजनीतिक विरोधियों के बजाय अंदरूनी विरोध से लड़ना पड़ रहा है। हवा महल के पुराने कैंडिडेट आरआर तिवारी ने भी ऐसे ही आरोप दोहराए। उन्होंने अपनी हार का ठीकरा कांग्रेस के अंदर के 'जयचंदों' पर फोड़ा और पार्टी के अंदर के लोगों पर ऑफिशियल कैंडिडेट्स के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया।इस बीच, तिवारी ने खुले तौर पर धारीवाल का सपोर्ट किया, यह कहते हुए कि कांग्रेस प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नेशनल लीडरशिप बनाते हैं लेकिन राजस्थान की राजनीतिक सच्चाई अलग

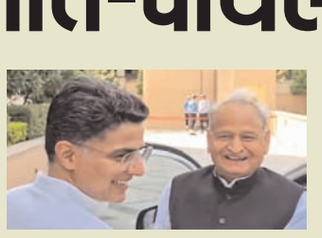

है।

तिवारी के मुताबिक, गहलोत अपने ऑर्गेनाइजेशनल नेटवर्क, पब्लिक कनेक्ट और दशकों पुरानी लीडरशिप की वजह से राज्य कांग्रेस में पॉलिटिकल असर का बिना किसी शक के सेंटर बने हुए हैं। अलग-अलग बयानों ने उस पुराने सवाल को फिर से जिंदा कर दिया जो गहलोत-पायलट की दुश्मनी के सामने आने के बाद से ही बना हुआ है, राजस्थान कांग्रेस को कौन कंट्रोल करता है? हालांकि, मीटिंग हॉल के अंदर पार्टी के अंदर फूट और भी ज्यादा साफ दिखी। पार्टी पर फोकस करने की बार-बार अपील के बावजूद सपोर्टर्स ने अलग-अलग लीडर्स की तारीफ में बार-बार नारे लगाए।

जयपुर डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस प्रेसिडेंट सुनील शर्मा ने वर्कर्स से सिर्फ कांग्रेस, राहुल गांधी और पार्टी प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए नारे लगाने की अपील की। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने भी कार्यकर्ताओं से पर्सनैलिटी-सेंट्रिक पॉलिटिक्स को बढ़ावा न देने की अपील की। यहां तक ङ्कि राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को ऑर्गेनाइजेशनल प्रोग्राम के दौरान किसी एक नेता के पक्ष में नारे लगाने से बचने की सलाह दी। फिर भी नारे लगते रहे, जो इस बात का इशारा है कि कांग्रेस में पॉलिटिकल जगह की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। इस बैठक से पहले, धारीवाल ने गहलोत को राजस्थान कांग्रेस का 'हाईकमान' बताया था, यह एक ऐसा राजनीतिक बयान था जिसका राज्य में काफी वजन था, जहां 2023 में कांग्रेस के सत्ता खोने के बावजूद पूर्व सीएम की ऑर्गेनाइजेशनल पकड़ बरकरार है। हालांकि, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने इस बात को पूरी तरह से खारिज कर दिया, और जोर देकर कहा कि केवल राहुल गांधी ही कांग्रेस हाईकमान हैं। खाचरियावास ने बहस खत्म करने की कोशिश करते हुए कहा, राहुल गांधी ही हाईकमान हैं। शांति धारीवाल एक सीनियर लीडर हैं और कुछ भी कह सकते हैं।

हालांकि, असहमति यहीं खत्म नहीं हुई। हाईकमान कौन है, इस पर विवाद के बीच, गहलोत ने खुद ऐसी किसी हैसियत का दावा करने से परहेज किया। बहस का जवाब देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लीडरशिप के फैसलों पर चर्चा की जरूरत नहीं है क्योंकि इसका अधिकार पूरी तरह से कांग्रेस हाईकमान के पास है। गहलोत ने कहा, यह हमारी जिम्मेदारी बिल्कुल नहीं है। हम ऐसी चीज पर चर्चा क्यों करें जो हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है? यह पूरी तरह से हाईकमान की जिम्मेदारी है।

उप्र विस में सपा सदस्यों के हंगामे के बीच लोकसेवा अधिकरण (संशोधन) समेत 11 विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को मानसून सत्र के दूसरे दिन मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों के हंगामे के बीच उप्र लोकसेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2026 समेत कुल 11 विधेयक पारित किये गये। विधानसभा में मंगलवार को राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर सपा सदस्यों ने पूरे दिन हंगामा किया। उनके हंगामे के बीच सरकार ने 11 विधेयकों को पेश किया और उसे बहुमत के आधार पर पारित करा लिया।

उप्र लोकसेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, 2026 में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की आयु सीमा बढ़ा दी गई है। उप्र राजस्व संहिता (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत देश-विभाजन के बाद राज्य के जिलों में बसे शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा सदस्यों से लगातार अनुरोध किया कि ये विधेयक बहुत महत्वपूर्ण हैं और आप लोग इस पर चर्चा कर सकते हैं, लेकिन सपा सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने उप्र लोकसेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक 2026 सदन के पटल पर पेश किया और उसे पारित कराने का भी प्रस्ताव रखा। महाना ने विधेयक के पक्ष में सदस्यों की संख्या अधिक होने से इसे पारित करने की घोषणा की। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा अधिकरण के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की अधिकतम आयु सीमा बढ़ा दी है।

अध्यक्ष की अधिकतम आयु अब 65 के बजाय 67 वर्ष होगी जबकि उपाध्यक्ष एवं सदस्यों के लिए 62 वर्ष के बजाय 65 वर्ष की उम्र तक पद पर बने रहेंगे। इसके अलावा सदन में अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) विधेयक, 2026, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2026, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2026, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026, रजिस्ट्रेशन (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2026, उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय विधेयक, 2026, भारतीय स्टाम्प (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2026, उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) विधेयक, 2026, उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2026 और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 विधेयक के पक्ष में सदस्यों के बहुमत होने से इनको पारित करने की घोषणा की।

असम में बाढ़ से दो और लोगों की मौत, मृतकों की संख्या 87 हुई, करीब 1.3 लाख लोग अब भी प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ के कारण दो और लोगों की मौत होने के साथ ही, इस प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है।

अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के अधिकतर जलमग्न इलाकों से पानी का स्तर कम होने के बावजूद लगभग 1.3 लाख लोग अब भी इस आपदा से प्रभावित हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों में अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में गरज के साथ अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान जताया है, जिससे इन दोनों राज्यों की सीमा से लगे असम के कई जिले प्रभावित हो सकते हैं। मौसम कार्यालय ने कहा, मौसम के मिजाज से संकेत मिलता है कि मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स, पश्चिमी जैंतिया हिल्स और पूर्वी जैंतिया हिल्स तथा अरुणाचल प्रदेश के पापुमपारे, कुरुंग कुमेय, पूर्व कामेंग, पूर्व सियांग, लोहित और चांगलांग जिलों में अधिकतर स्थानों पर गरज-चमक के साथ अत्यधिक भारी बारिश (ऑरेंज और रेड अलर्ट) का अनुमान है। इसका असर असम के पड़ोसी जिलों पर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने नगालैंड के अधिकतर हिस्सों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है, जिससे असम के चराईदेव, शिवसागर, जोरहाट और गोलाघाट जिले प्रभावित हो सकते हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) द्वारा सोमवार रात जारी बुलेटिन के अनुसार, पिछले 24 घंटे में शिवसागर जिले से दो लोगों की मौत की सूचना मिली है। इन मौतों के साथ ही इस वर्ष बाढ़ में जान गंवाने वालों की संख्या 87 तक पहुंच गई है।

एएसडीएमए के एक अधिकारी ने कहा, ''हालांकि बाढ़ प्रभावित असम के अधिकतर ऊपरी जिलों से रातभर बारिश होने की सूचना है, लेकिन जलमग्न गांवों में पानी का स्तर घट रहा है जिससे ग्रामीणों को थोड़ी राहत मिली है।''

कांवड़ लेकर ताजमहल में प्रवेश करने की कोशिश की, पुलिस ने रोका

आगरा/भाषा। अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल के वास्तव में शिव मंदिर होने का दावा करते हुए जलाभिषेक के लिए परिसर में दाखिल होने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सूचना मिली थी कि अखिल भारत हिंदू महासभा से जुड़ी 11 महिलाएं श्रावण मास के पहले सोमवार को ताजमहल में जलाभिषेक करने की कोशिश करेंगी, इससे सतर्क पुलिस ने उन्हें पहले ही रोक लिया और राजेश्वर मंदिर में जाकर जलाभिषेक करवाया। हिंदू महासभा की जिला अध्यक्ष मीरा राठौर ने दावा किया कि ताजमहल दरअसल शिव मंदिर है और ताजमहल में कव्वाली हो सकती है तो पूजा अर्चना भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अभी रोक दिया है लेकिन संगठन के कार्यकर्ता श्रावण के आने वाले सोमवार को भी ताजमहल में कांवड़ ले जाकर पूजा का प्रयास करेंगे। अखिल भारत हिंदू महा सभा के कार्यकर्ता पिछले वर्षों में कई बार ताजमहल को शिव मंदिर तेजोमहालय' होने का दावा कर सावन के महीने में पूजा अर्चना करने के लिए परिसर में दाखिल होने की कोशिश कर चुके हैं, पुलिस द्वारा उन्हें हर बार रोक दिया गया।

मदरसों पर तसलीमा का बयान निंदनीय, सरकार इसका संज्ञान ले : पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने मदरसों के संदर्भ में बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन की हालिया टिप्पणियों की निंदा करते हुए मंगलवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह इस मामले का गंभीरता से संज्ञान ले तथा विदेशी शरणार्थियों को भारत के आंतरिक एवं धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने से रोके। तसलीमा ने गत रविवार को कहा था कि मदरसों का अस्तित्व नहीं होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ 'मदरसे जिहादी' तैयार कर रहे हैं और वहां बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के मामले भी सामने आते हैं।

पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने एक बयान में कहा, ''मदरसों पर 'आतंकवाद को बढ़ावा देने या जिहादी'' तैयार करने का आरोप पूरी तरह निराधार, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप न केवल करोड़ों भारतीय मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को आहत करते हैं, बल्कि देश की सांप्रदायिक सद्भावना को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास हैं।

बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा की हार मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की नकारात्मक राजनीति का नतीजा : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर तीखा हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ''करारी हार'' मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की ''नकारात्मक राजनीति'' का परिणाम है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पिछले 150 दिन में भाजपा राज्य में दो चुनाव हार चुकी है। पहले विधान परिषद चुनाव और अब बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव। उन्होंने आरोप लगाया, ''सम्राट चौधरी राज्य चलाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।'' तेजस्वी ने कहा, ''हम बांकीपुर के जनादेश को स्वीकार करते हैं। यह जनादेश भाजपा नीत राजग और मुख्यमंत्री के खिलाफ है।'' जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को बांकीपुर विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की। यह सीट भाजपा का गढ़ मानी जाती थी, जिस पर पार्टी 1995 के बाद से कभी नहीं हारी थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के अप्रैल में राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने और विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देने के कारण रिक्त हुई बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया गया था। अपने पहले ही चुनाव में किशोर ने 64,151 मत हासिल किए और भाजपा के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 मतों के अंतर से पराजित किया। सिन्हा को पार्टी ने अंतिम समय में तब उम्मीदवार बनाया था, जब पूर्व में घोषित प्रत्याशी ''अभिषेक बंटी'' ने ''पारिवारिक कारणों'' का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया था।

भारत के छात्रों को माफ करने का अधिकार प्रधानमंत्री को किसने दिया : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की ''गुमराह युवाओं को माफ करने'' संबंधी टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि 'भारत के भविष्य' को माफ करने का अधिकार प्रधानमंत्री को किसने दिया? उन्होंने एमडीएमके नेता वाइको की पुस्तक 'वाइको इन पार्लियामेंट' के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस की सोच भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और इतिहास को कमजोर करने वाली है तथा इसी के विरोध में छात्र सड़कों पर उतर ''भारत की अवधारणा'' (आइडिया ऑफ इंडिया) की रक्षा कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देश एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां छात्र रोजगार, निष्पक्ष परीक्षाओं और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर सड़कों पर हैं। उनका कहना था कि एक तरफ छात्र आंदोलन कर रहे हैं और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री उन्हें माफ करने की बात कर रहे हैं।

नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के एक दिन बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले।

प्रधानमंत्री के साथ नीतीश की मुलाकात के दौरान जदयू नेता एवं केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार जी ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। नीतीश ने कहा कि उन्होंने यहां संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री के कार्यालय में उनसे शिष्टाचार भेंट की। भाजपा का गढ़ माने जाने वाले बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव इसलिए कराना पड़ा, क्योंकि नितिन नवीन के पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने और फिर राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद यह सीट खाली हो गई थी।

बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार को 19,324 मतों के अंतर से हराया। दस बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश ने इस साल अप्रैल में इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद राज्य में पहली बार एक भाजपा नेता (सम्राट चौधरी) ने सरकार की कमान संभाली। बिहार में भाजपा और जदयू सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा हैं।

सांसद पप्पू यादव को 11 अगस्त को पेश होने का आदेश

प्रयागराज/भाषा। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के खिलाफ प्रयागराज की एक अदालत में मंगलवार को एक आपराधिक वाद दर्ज किया गया और अदालत ने उन्हें 11 अगस्त को पेश होने का आदेश दिया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधि विभाग के प्रदेश सह-संयोजक सुशील कुमार मिश्रा की ओर से दाखिल शिकायत पर मंगलवार को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जनपद अदालत, प्रयागराज ने संसद भवन के परिसर में पप्पू यादव द्वारा साधु संतों की वेषभूषा में चंदा चोरी का नाटक करने के मामले को संज्ञान में लिया है। मिश्रा ने कहा कि संसद भवन परिसर में अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के दान से जुड़ी कथित चोरी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान सांसद पप्पू यादव ने साधु-संतों की वेशभूषा धारण करके एक प्रतीकात्मक अभिनय किया था।

बाबा बैद्यनाथ धाम के विशेष हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की

रांची/भाषा। झारखंड सरकार ने मंगलवार को देवघर जिले में मशहूर बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर के हवाई दर्शन और श्रद्धालुओं को देवघर से दुमका जिले के बासुकीनाथ धाम तक ले जाने के लिए एक विशेष हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह सेवा राज्य के नागरिक उड्डयन विभाग के तहत झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट (जेएफआई) की ओर से संचालित जा रही है। देवघर के उपायुक्त (डीसी) सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए झारखंड सरकार और नागरिक उड्डयन विभाग ने हाथगढ़ मैदान में इस सेवा की शुरुआत की।

भारत और उज्बेकिस्तान के संबंध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं और दोनों देशों के संसदीय मैत्री समूह से द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलेगी। बिरला ने ये टिप्पणियां संसद भवन में उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री बख्तियार सईदोव के साथ मुलाकात के दौरान की।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों पर व्यापक चर्चा हुई, जिसमें संसदीय सहयोग, व्यापार एवं निवेश, शिक्षा, संस्कृति तथा क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के आपसी मुद्दों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की संसदीय व्यवस्था जीवंत है, जो देश की जनता की आकांक्षाओं और विविधता को प्रभावी ढंग से प्रतिबिंबित करती है।

उन्होंने कहा कि 543 सदस्यीय लोकसभा देशभर के करोड़ों नागरिकों का प्रतिनिधित्व करती है और भारत की बहुदलीय व्यवस्था विभिन्न विचारों तथा रचनात्मक बहस के लिए समान अवसर उपलब्ध कराती है। संसद की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए बिरला ने सईदोव को बताया कि संसद के वर्ष में तीन सत्र आयोजित होते हैं और वर्तमान मानसून सत्र में राष्ट्रीय महत्व के अनेक विषयों पर सक्रियता से चर्चा हो रही है।

बिरला ने बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल नवाचार, प्रौद्योगिकी, संपर्क, निवेश और व्यापार के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवा वैश्विक स्तर पर लगातार नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहे हैं तथा अग्रणी विश्वविद्यालयों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग का दायरा निरंतर बढ़ रहा है।

बिरला ने मार्च, 2026 में गठित भारत-उज्बेकिस्तान संसदीय मैत्री समूह का उल्लेख करते हुए उम्मीद जताई कि यह पहल संसदीय संवाद को नई गति देगी और आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक तथा जन-से-जन संपर्क के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करेगी।

इस साल मई में 155 चिकित्सा उत्पाद घटिया और दो दवाएं नकली मिलीं : नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और राज्य की औषधि परीक्षण प्रयोगशालों ने इस साल मई में 155 चिकित्सा उत्पादों को ''मानक गुणवत्ता का नहीं'' और दो दवाओं को नकली पाया। नड्डा ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में दवाओं का निर्माण, बिक्री और वितरण मुख्य रूप से औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम एवं उसके अंतर्गत नियमों के प्रावधानों के तहत संबंधित राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों द्वारा विनियमित किया जाता है।

नड्डा ने कहा कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन का उत्तरदायित्व, राष्ट्रीय विनियामक प्राधिकरण के रूप में, नई दवाओं और नैदानिक परीक्षणों का अनुमोदन, दवाओं के लिए मानक का निर्धारण, आयातित दवाओं की गुणवत्ता का विनियमन और राज्य सरकारों के साथ समन्वय करना है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि भारत ने टीबी (तपेदिक) को नियंत्रित करने में काफी प्रगति की है और 2015 से 2024 के बीच टीबी की दर में 21 प्रतिशत की कमी आई है।

मनमोहन के समय 71 फीसदी विधेयक समितियों के पास भेजे गए, मोदी सरकार में सिर्फ 16 प्रतिशत : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि मोदी सरकार में वर्ष 2019 से 2024 के बीच केवल 16 प्रतिशत विधेयकों को संसद की स्थायी समितियों के पास भेजा गया, जबकि मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए वर्ष 2009 से 2014 के दौरान 71 प्रतिशत विधेयकों को इन समितियों के पास भेजा गया था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी दलों ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026 को संबंधित संसदीय स्थायी समिति (वित्त) के पास भेजने की मांग की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस मांग को स्वीकार करेगी। रमेश ने दावा किया, वर्ष 2019 से 2024 के बीच केवल 16 प्रतिशत विधेयकों को ही संसदीय स्थायी समितियों के पास भेजा गया, जबकि वर्ष 2009 से 2014 के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 71 प्रतिशत विधेयकों को इन समितियों के पास भेजा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की कार्यप्रणाली यह रही है कि जब किसी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता विपक्ष के सांसद के पास होती है तो संबंधित विधेयक को उसके पास भेजने के बजाय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया जाता है।

राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव ने बैंक में रखे सोने, चांदी और अन्य रिकॉर्ड की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या स्थित राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव ने यहां एक बैंक लॉकर में रखे करोड़ों रुपये के सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं के साथ-साथ उनसे जुड़े रिकॉर्ड की समीक्षा की। मंदिर के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन सोमवार की शाम अयोध्या में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा गए और देर रात तक वहां रुके। उन्होंने बताया कि इस दौरान कीमती सामान की सूची तैयार की गई और बैंक लॉकर में जमा सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं की तस्वीरें ली गईं। सूत्रों ने बताया कि कृष्ण मोहन पिछले तीन दिनों से ट्रस्ट के खाता-बही और अन्य रिकॉर्ड की जांच-पड़ताल में लगे हुए थे, जिसके बाद कोष और कीमती धातुओं की अंतिम सूची तैयार की गयी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले के बाद उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर बनाई गई नई विशेष अन्वेषण टीम (एसआईटी) के मंगलवार को अपना काम फिर से शुरू करने की उम्मीद है। कृष्ण मोहन ने बैंक के अपने दौरे के बारे में मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि राम मंदिर में व्यवस्थाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''आप आएं, दर्शन करें और खुद देखें... अगर कोई कमी हो, तो हमें बताएं।'' राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला जून के पहले सप्ताह में सामने आया था जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एक विशेष अन्वेषण टीम (एसआईटी) का गठन किया और शुरू में जांच के लिए 15 दिन का समय दिया। एसआईटी ने 23 जून को अपनी शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी जिसके बाद, 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई और आठ आरोपियों - अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव को गिरफ्तार किया गया।

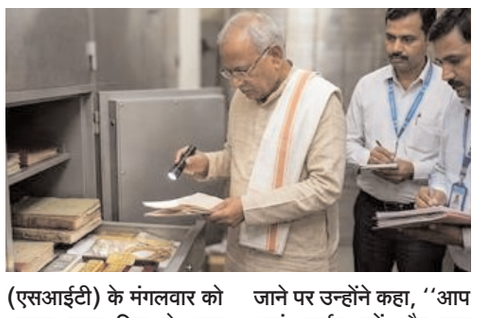

सुविचार

प्रकृति हमें संतुलन सिखाती है। पेड़ों, जल और पर्यावरण का सम्मान करें। प्रकृति की रक्षा करें, भविष्य सुरक्षित बनाएं, यही हमारी जिम्मेदारी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंहासन हिलाने से नहीं, हुनर से मिलेगा रोजगार

कांग्रेस के कुछ नेताओं को युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी की ज्यादा ही चिंता होने लगी है। इसके पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'जॉब नहीं मिलेगा, तो सिंहासन हिलेगा' जैसी बढ़िया तुकबंदी के साथ केंद्र सरकार को चेतावनी दे दी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश कंपनियों में भर्तियां घटने का मुद्दा उठाकर सरकार को आड़े हाथों ले रहे हैं। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उससे हर मुद्दे पर जवाब मांगना इनका अधिकार है। इन्हें अपने अधिकार का पूरा उपयोग करना चाहिए। साथ ही, अपनी रणनीति में थोड़ी स्पष्टता लानी चाहिए। विपक्ष का काम सिर्फ विरोध करते रहना नहीं है। उसे समाधान भी बताना चाहिए। अगर युवाओं को नौकरी नहीं मिली और सिंहासन हिल गया (जैसा कि राहुल गांधी कह रहे हैं), तो क्या उसके बाद सभी युवा अफसर लग जाएंगे? डॉ. मनमोहन सिंह विद्वान अर्थशास्त्री थे। दस साल तक प्रधानमंत्री रहने के बावजूद सबको नौकरी वे भी नहीं दे सके थे। जयराम रमेश जिन कंपनियों की बात कर रहे हैं, पूर्व में उनके ही मालिकों को कांग्रेस के बड़े नेता से लेकर कार्यकर्ता तक हजारों बार कोस चुके हैं। फिर उनसे नौकरी की उम्मीद क्यों करते हैं? यह विरोधाभास इस मुद्दे की गंभीरता को कम करता है। बेशक युवाओं को रोजगार मिलना चाहिए। उनके जीवन में आर्थिक अभाव नहीं होना चाहिए। इसका तरीका क्या हो सकता है? भारत में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा समय तक राज किया है। क्या उसके नेता नहीं जानते कि बेरोजगारी कैसे दूर हो सकती है? आज भारत के युवाओं में बेरोजगारी की जो स्थिति है, उसके पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला, उनके पास किताबी ज्ञान है, डिग्रियां हैं, लेकिन हुनर नहीं है। दूसरा, वे नौकरी करना चाहते हैं, लेकिन सरकारी, जिसमें कमाई भरपूर हो, सुविधाएं खूब हों, जहां मेहनत कम से कम करनी पड़े। कुछ लोग इसके अपवाद हो सकते हैं, जो हर क्षेत्र में होते ही हैं।

भारत में बच्चों के साथ सरकारी नौकरी का सपना तब से जोड़ दिया जाता है, जब दुनिया में उनका कोई अस्तित्व ही नहीं होता है। शिक्षा पद्धति का तो कहना ही क्या, बस पोथियां रटते जाएं और अगली कक्षा की ओर बढ़ते जाएं! हाल के वर्षों में स्थिति कुछ बेहतर हुई है, लेकिन सुधार की बहुत जरूरत है। यहां स्वरोजगार को हमेशा आखिरी विकल्प माना जाता है। इसे मजबूरी का प्रतीक बना दिया गया है। अगर बेरोजगारी से लड़ना है तो महात्मा गांधी के जीवन को गंभीरता से पढ़ लें। उन्होंने आज़ादी की लड़ाई के साथ लोगों को हुनरमंद बनाने पर कितना जोर दिया था! जब पूरे हिन्दुस्तान में अंग्रेजी माल बेरोक-टोक बिकता था और बड़े बाबू साहब उसे खरीदने में अपनी शान समझते थे, तब चरखा चलाना बहुत चुनौतीपूर्ण काम था। चरखा स्वदेशी, स्वाभिमान और स्वावलंबन का प्रतीक था। अगर आज बेरोजगारी का उन्मूलन करना है तो हमें उसी सोच को अपनाना होगा। युवाओं को हुनर सिखाएं और जिस चीज के साथ उनकी मेहनत जुड़ी हो, लोग उसे खरीदने में प्राथमिकता दें। कितने तरह के हुनर हैं, उनका क्या उपयोग है, बाजार क्या है, मांग क्या है, पूर्ति कैसे होती है, अर्थव्यवस्था कैसे चलती है, स्वदेशी चीजों का व्यापार किस तरह देश को फायदा पहुंचाता है – ये बातें हर बच्चे को स्कूली दिनों में सिखाई जाएं। बेरोजगारी दूर करने का यही सबसे असरदार तरीका है। रुपए बांटने, धरना देने, पुतला फूंकने, रास्ता रोकने, हंगामा करने, वाहनों के शीशे तोड़ने, हुड़दंग मचाने जैसे तरीकों से न कभी बेरोजगारी मिटी है, न कभी मिटेगी। अगर दुनिया के शीर्ष दस हजार अर्थशास्त्री आ जाएं तो वे भी मौजूदा हालात में सबको सरकारी नौकरी नहीं दे सकते। कहां से देंगे? इतनी सरकारी नौकरियां हैं ही नहीं। हुनर, स्वरोजगार और स्वदेशी को अपनाने से बेरोजगारी का उन्मूलन होगा। सभी राजनीतिक दल इस बात को स्वीकार करें।

ट्वीटर टॉक

पद्मश्री डॉ. डी. वाई. पाटिल , जो बिहार, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के पूर्व गवर्नर, शिक्षाविद और सीनियर पब्लिक लीडर थे, के निधन की खबर दिल तोड़ने वाली है। शिक्षा, समाज सेवा और राजनीति के विस्तार के ज़रिए सभी की तरक्की में उनका अमूल्य योगदान हमेशा हमारी यादों में ज़िंदा रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

उज़्बेकिस्तान के विदेश मंत्री, बख्तियार सैदोव के साथ एक अच्छी बातचीत। हमारी बातचीत बेहतर पार्लियामेंट्री सहयोग, व्संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान के ज़रिए भारत-उज़्बेकिस्तान स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मज़बूत करने पर केंद्रित थी

-ओम बिरला

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में उड़ान इंडक्शन प्रोग्राम 2026 में होनहार युवा दिमागों को संबोधित करके खुशी हुई। हमारे युवाओं की उम्मीदों, आत्मविश्वास और जोश को देखकर मेरा यह विश्वास और पक्का हो गया कि हमारे देश का भविष्य काबिल हाथों में है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

विवेक-धैर्य से मानवता रक्षा

सोवियत संघ के एक गुप्त सैन्य नियंत्रण केंद्र में ड्यूटी पर तैनात अधिकारी स्टैनिस्लाव पेट्रोव अपनी निगरानी प्रणाली पर नज़र रखे हुए थे। अचानक चेतावनी सायरन बज उठा। कंप्यूटर ने संकेत दिया कि अमेरिका की ओर से परमाणु मिसाइल दागी गई है। कुछ ही क्षण बाद दूसरी, फिर तीसरी, फिर पांच मिसाइलों का संकेत दिखाई दिया। सैन्य नियम स्पष्ट थेतुरंत उच्च अधिकारियों को सूचना भेजी जाए, ताकि जवाबी कार्रवाई की जा सके। कमरे में तनाव फैल गया। सभी की नज़र पेट्रोव पर थी। उन्होंने स्क्रीन को ध्यान से देखा। उन्हें कुछ असामान्य लगा। यदि वास्तव में परमाणु युद्ध शुरू होता, तो केवल पांच मिसाइलें क्यों दागी जातीं? उन्होंने कुछ क्षण और प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया। यह निर्णय नियमों से अधिक उनके विवेक पर आधारित था। कुछ मिनट बाद स्पष्ट हो गया कि कंप्यूटर प्रणाली ने सूर्य की किरणों के परावर्तन को मिसाइल समझ लिया था। कोई हमला नहीं हुआ था। यदि उस रात पेट्रोव केवल मशीन पर भरोसा कर लेते, तो इतिहास की दिशा कुछ और हो सकती थी। उन्होंने वर्षों तक इस घटना का उल्लेख सार्वजनिक रूप से नहीं किया।

सामयिक

विधानसभा उपचुनाव के नतीजों ने दिया अहम राजनीतिक संदेश

अजय कुमार

मोबाइल : 9335566111

अब सवाल यह है कि यह झटका स्थायी है या अस्थायी। प्रशांत किशोर ने कहा कि वे विपक्ष का चेहरा नहीं बल्कि बिहार के भविष्य की बात करने वालों का चेहरा बनेंगे। उन्होंने घूसखोरी खत्म करने, सरकारी स्कूल सुधारने और क्षेत्र के विकास का ब्लूप्रिंट तैयार करने का वादा किया। सम्राट चौधरी ने उन्हें बधाई दी और जनता के फैसले का सम्मान किया। गिरिराज सिंह ने विपक्ष को ज्यादा खुश न होने की सलाह दी और 2009 के उदाहरण दिए जब उपचुनाव में हार के बाद भी बड़ा चुनाव जीता गया।तीनों नतीजे एक साथ देखें तो साफ है कि अब चुनाव सिर्फ पुराने वोट बैंक या बड़े नेताओं की रैलियों से नहीं जीते जा सकते।

तीन राज्यों की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजे आते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। बिहार की बांकीपुर सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा के नीरज कुमार को 19,324 वोटों के बड़े अंतर से हराकर 64,151 वोट हासिल किए। भाजपा उम्मीदवार को 44,827 वोट मिले जबकि राजद की रेखा कुमारी महज 14,273 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर सिमट गईं। यह जीत सिर्फ एक सीट की नहीं, बल्कि 1995 से लगातार भाजपा के कब्जे वाली सीट का पतन है। नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई इस सीट पर भाजपा ने परिवार के बाहर उम्मीदवार उतारकर जो जोखिम लिया, वह भारी पड़ गया।बांकीपुर में मतदान प्रतिशत 34.30 फीसदी रहा, जो पिछले विधानसभा चुनाव के 41.45 फीसदी से सात अंक कम है। करीब 3.8 लाख मतदाताओं में से बहुत कम लोग वोट डालने पहुंचे। फिर भी जो पहुचे, उन्होंने साफ संदेश दिया। प्रशांत किशोर ने इसे विधायक चुनने का चुनाव नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह तक संदेश पहुंचाने वाला जनमत संग्रह बताया। उन्होंने कहा कि जनता ने सम्राट चौधरी की अगुवाई वाली सरकार के खिलाफ अपनी राय रखी है। जीत के बाद उन्होंने साफ कहा कि बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाने का वादा करने वाली पार्टी ने उसी दौर के चेहरे को मुख्यमंत्री बना दिया, जिसे लोग स्वीकार नहीं कर पा रहे।

यह हार भाजपा के लिए इसलिए भी चुभने वाली है क्योंकि सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला उपचुनाव था। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद एनडीए का सामाजिक संतुलन बिगड़ गया था। अति पिछड़ा और महिला मतदाताओं के बीच नीतीश का जनाधार हमेशा मजबूत रहा। सम्राट चौधरी की स्वीकार्यता बांकीपुर जैसे शहरी, प्रबुद्ध और मध्यमवर्गीय इलाके में उतनी नहीं बन पाई। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले ने कानून व्यवस्था के दावों पर सवाल खड़े किए। सवर्ण और शहरी मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा नाराज हो गया। नीट पेपर लीक और उच्च शिक्षण संस्थानों के नियमों को लेकर युवाओं में आक्रोश भी चुनावी माहौल में घुला। भाजपा ने उम्मीदवार भी बदला। पहले अमित कुमार उर्फ बंटी को टिकट दिया, फिर परिवारिक कारणों से उन्होंने नाम वापस ले लिया और नीरज कुमार को उतारा। यह फेरबदल भी पार्टी के लिए घातक साबित हुआ।मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर भी भाजपा को झटका लगा। कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने 66,757 वोट हासिल कर भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों से हराया। आशुतोष को 60,741 वोट मिले। यह सीट कांग्रेस के राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म होने के बाद खाली हुई थी। भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में तीन साल की सजा हुई थी। 2023 में भारती ने नरोत्तम मिश्रा को सात हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। इस बार भाजपा ने नरोत्तम मिश्रा का टिकट काट दिया। मिश्रा तीन बार जीत चुके थे। उनकी नाराजगी और स्थानीय संगठन की सुस्ती ने भाजपा को नुकसान पहुंचाया। मुख्यमंत्री मोहन यादव, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे बड़े नेताओं के प्रचार के बावजूद नतीजा नहीं बदला। दतिया में मतदान 71.44 फीसदी रहा, जो बांकीपुर से कहीं ज्यादा था। कांग्रेस ने अपनी सीट बचाई और भाजपा को सत्ताधारी होने के बावजूद हार का स्वाद चखना पड़ा।

गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा ने राहत की सांस ली। सतेंद्रभाई पटेल ने कांग्रेस के भीखाभाई रबारी को करीब 30,500 वोटों से हराया। पटेल को 55,481 वोट मिले जबकि रबारी को 24,851। लेकिन जीत का अंतर पहले के मुकाबले काफी कम रहा। 2022 में भाजपा ने लगभग एक लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। मतदान प्रतिशत 37 फीसदी के आसपास रहा। योगेश पटेल की मौत के बाद हुई इस उपचुनाव में भाजपा ने सीट तो बचा ली लेकिन विपक्ष की बढ़त साफ दिखी।उपचुनाव हमेशा बड़ी लहर का संकेत नहीं होते। 2018 में उत्तर प्रदेश की गोरखपुर और फूलपुर लोकसभा सीटों पर भाजपा हारी थी। योगी आदित्यनाथ और केशव प्रसाद मौर्य की सीटें थीं। समाजवादी पार्टी ने इसे बड़ी जीत बताई लेकिन 2019 लोकसभा और 2022 विधानसभा में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की। महाराष्ट्र के कस्बा पेठ में 2023 में भाजपा हारी लेकिन 2024 विधानसभा में एनडीए ने 232 सीटें जीतकर वापसी की। बिहार में भी 1994 में लवली आनंद की वैशाली उपचुनाव जीत के बाद मुख्यमंत्री बनने का दावा किया गया था लेकिन बाद में पार्टी विलय करना पड़ा। बांकीपुर में भी वोटिंग प्रतिशत कम रहा। ऐसे में इसे सीधे पूरे राज्य या केंद्र की राजनीति से जोड़ना जल्दबाजी होगी।

फिर भी बांकीपुर का नतीजा अलग है। प्रशांत किशोर की जन सुराज 2025 विधानसभा चुनाव में 238 उम्मीदवार उतारकर बुरी तरह हारी थी। ज्यादातर की जमानत जब्त हो गई थी। अब पहली जीत भाजपा के सबसे मजबूत गढ़ में हुई है। उन्होंने राजद को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। तेजस्वी यादव के लिए भी यह चिंता का विषय है। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने प्रशांत किशोर को कौवे की मिसाल देकर नसीहत दी कि डाल टूटने से पेड़ नहीं गिरता। लेकिन वोट ट्रांसफर के संकेत साफ हैं। शहरी मतदाता भाजपा और राजद दोनों के पुराने ढर्रे से ऊब चुके थे। प्रशांत किशोर ने तीसरा विकल्प पेश किया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर वोट भाजपा के पारंपरिक समर्थकों के थे जिन्होंने अहंकार के खिलाफ मतदान किया।भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग का जादू भी इस बार कमजोर पड़ा। गैर यादव ओबीसी, अति पिछड़ा और सवर्ण वोट बैंक का गठजोड़ हमेशा काम आता रहा लेकिन बांकीपुर में युवा और मध्यम वर्ग की नाराजगी भारी पड़ी। कोर वोट बैंक का एक हिस्सा उत्साहपूर्वक मतदान केंद्र नहीं पहुंचा। रविशंकर प्रसाद के कथित बयान को लेकर भी नैरेटिव बना। प्रशांत किशोर ने इसे स्वाभिमान से जोड़कर माहौल बना लिया। भाजपा समय रहते इसे बेअसर नहीं कर पाई।

अब सवाल यह है कि यह झटका स्थायी है या अस्थायी। प्रशांत किशोर ने कहा कि वे विपक्ष का चेहरा नहीं बल्कि बिहार के भविष्य की बात करने वालों का चेहरा बनेंगे। उन्होंने घूसखोरी खत्म करने, सरकारी स्कूल सुधारने और क्षेत्र के विकास का ब्लूप्रिंट तैयार करने का वादा किया। सम्राट चौधरी ने उन्हें बधाई दी और जनता के फैसले का सम्मान किया। गिरिराज सिंह ने विपक्ष को ज्यादा खुश न होने की सलाह दी और 2009 के उदाहरण दिए जब उपचुनाव में हार के बाद भी बड़ा चुनाव जीता गया।तीनों नतीजे एक साथ देखें तो साफ है कि अब चुनाव सिर्फ पुराने वोट बैंक या बड़े नेताओं की रैलियों से नहीं जीते जा सकते। उम्मीदवार की स्वीकार्यता, स्थानीय मुद्दे, संगठन की एकजुटता और जमीनी काम ज्यादा मायने रखते हैं। बांकीपुर में प्रशांत किशोर की पदयात्राएं, बूथ प्रबंधन और युवाओं के बीच पैठ ने जीत की पटकथा लिखी। भाजपा के फैसलों ने भी उनका रास्ता आसान किया। दतिया में उम्मीदवार चयन की गलती और गुजरात में कम होता अंतर यही बताते हैं कि चुनौतियां बढ़ रही हैं।आचार्य चाणक्य कहते थे कि राजनीति में एक पराजय कई विजयों से ज्यादा शिक्षा देती है। बांकीपुर की हार भाजपा के लिए आत्ममंथन का मौका है। सोशल इंजीनियरिंग के अलावा नेतृत्व, संगठन और संदेश तीनों स्तरों पर नए समीकरण बनाने होंगे। प्रशांत किशोर की यह पहली चुनावी जीत बिहार की राजनीति में तीसरी ताकत खड़ी करने का संकेत है या सिर्फ एक स्थानीय नतीजा, यह आने वाला समय बताएगा। लेकिन फिलहाल तीन दशक पुराना किला ढह चुका है और संदेश साफ है।

नजरिया

'जेन जी, जेन अल्फा' की रचनात्मक भूमिका ही देश के भविष्य के आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009415415

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था सपने वे नहीं जो सोते समय आते हैं, सपने वे हैं जो आपको सोने नहीं देते, किंतु उन सपनों को साकार करने के लिए चरित्र, अनुशासन और नैतिकता की नींव आवश्यक है। केवल महत्वाकांक्षा पर्याप्त नहीं, उसके साथ उत्तरदायित्व भी होना चाहिए।

यह अत्यंत ही शुभ संकेत हैं भारत देश की जनसंख्या में युवा वर्ग का बड़ा प्रतिशत निवास कर रहा है और आने वाले दो दशकों में जेन जी और जेन अल्फा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं नई दिशा प्रदान करने वाली होगी, यही युवा वर्ग देश को वैश्विक स्तर पर आगे और बहुत आगे ले जाने का महत्वपूर्ण उद्देश्य सार्थक करेगा बशर्ते ये युवा वर्ग अपनी भूमिका को राष्ट्रीय हित से जोड़कर संरचनात्मक तथा सकारात्मक रखने का पुरजोर प्रयास करें। यह भी मानवीय पहलू है कि प्रत्येक व्यक्ति सफलता, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि प्राप्त करना चाहता है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि प्रगति मनुष्य की जन्मजात आकांक्षा होती है, किंतु प्रश्न यह है कि क्या केवल सफलता ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है, अथवा सफलता का स्वरूप और उसे प्राप्त करने का मार्ग भी उतना ही महत्वपूर्ण है? निराशा मनुष्य की सबसे बड़ी शत्रु है। यह उसके आत्मविश्वास, ऊर्जा और सृजनात्मकता को भीतर ही भीतर नष्ट कर देती है। इसके विपरीत संयम, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प ऐसे अस्त्र हैं, जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। जिस क्षण मनुष्य किसी कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प ले लेता है और निरंतर श्रम करने का निर्णय करता है, उसी क्षण उसकी विजय का प्रथम अध्याय आरंभ हो जाता है।चरित्र यदि चला गया, तो सब कुछ चला गया। महापुरुष का यह कथन केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के दीर्घ अनुभव का निष्कर्ष है। आज का युग अभूतपूर्व अवसरों, तीव्र प्रतिस्पर्धा और त्वरित उपलब्धियों का युग है।स्वामी विवेकानंद ने कहा था उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।।यह केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। लक्ष्य तक पहुँचने का मार्ग कभी सरल नहीं होता। संघर्ष, असफलता, उपहास और विपरीत परिस्थितियाँ हर सफल व्यक्ति की यात्रा का अनिवार्य हिस्सा रही हैं। संसार में कोई भी महान व्यक्तित्व ऐसा नहीं हुआ, जिसने बिना कठिन परिश्रम और मानसिक दृढ़ता के सफलता प्राप्त की हो। आज हम जिन लोगों को महान, विलक्षण या सेलिब्रिटी के रूप में देखते हैं, उनकी उपलब्धियों के पीछे वर्षों का अनुशासित जीवन, असंख्य असफलताएँ और निरंतर आत्मसंघर्ष छिपा होता है। सफलता का कोई छोटा मार्ग नहीं होता। तात्कालिक लाभ मिल सकता है, किंतु स्थायी सफलता केवल वही अर्जित करता है, जो अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहता है परंतु सफलता तभी तक सुंदर है, जब तक उसके साथ नैतिकता और मानवीय मूल्य जुड़े रहें। यदि सफलता की कीमत सत्य, ईमानदारी, करुणा और न्याय को छोड़कर चुकाई जाए, तो वह उपलब्धि अंततः समाज के लिए अभिशाप बन जाती है। इतिहास ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है, जहाँ असाधारण प्रतिभा ने मानवता का कल्याण भी किया और विनाश भी। एक वैज्ञानिक अपनी प्रतिभा से जीवनरक्षक औषधि भी बना सकता है और विनाशकारी जैविक अथवा रासायनिक हथियार भी। अंतर केवल उसके नैतिक दृष्टिकोण का होता है। महात्मा गांधी का यह कथन आज भी मार्गदर्शक है साधन जितने पवित्र होंगे, साध्य भी उतना ही पवित्र होगा,यदि साधन ही दूषित हों, तो सफलता चाहे कितनी भी बड़ी दिखाई दे, वह स्थायी नहीं हो सकती। भारतीय संस्कृति ने सदैव चरित्र और मूल्यों को धन, पद और प्रसिद्धि से ऊपर स्थान दिया है। संत कबीर ने बाहरी आडंबर से अधिक अंतःकरण की पवित्रता पर बल दिया। संत रैदास ने समता का संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद ने चरित्र को मनुष्य की सबसे बड़ी पूँजी बताया। महात्मा बुद्ध ने करुणा और आत्मसंयम को जीवन का आधार माना। ने मानवता को राष्ट्रवाद से भी व्यापक दृष्टि प्रदान की, जबकि ने राष्ट्रहित के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। इन सभी महापुरुषों की सफलता का मूल आधार केवल प्रतिभा नहीं, बल्कि मूल्यनिष्ठ जीवन था।

दुर्भाग्य से आज समाज का एक बड़ा वर्ग तात्कालिक सफलता और उपभोग की संस्कृति से प्रभावित है। लोग शीघ्र प्रसिद्धि पाने के लिए सत्य, ईमानदारी और नैतिकता से समझौता करने लगे हैं। यह प्रवृत्ति व्यक्ति को कुछ समय के लिए चमका सकती है, किंतु इतिहास में उसका स्थान सुनिश्चित नहीं कर सकती। पानी का बुलबुला क्षणभर चमकता है, पर नदी बनने के लिए निरंतर प्रवाह, गहराई और धैर्य चाहिए। ठीक उसी प्रकार मूल्यहीन सफलता क्षणिक होती है, जबकि सिद्धांतों पर आधारित सफलता पीढ़ियों तक प्रेरणा बनती है। राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका, शिक्षा और सामाजिक नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में तो नैतिक मूल्यों की आवश्यकता और भी अधिक है। जब नेतृत्व ईमानदार, संवेदनशील और उत्तरदायी होता है, तभी समाज में विश्वास, न्याय और विकास का वातावरण बनता है।

यदि नेतृत्व ही मूल्यहीन हो जाए, तो राष्ट्र की संस्थाएँ कमजोर पड़ने लगती हैं और समाज दिशाहीन होने लगता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था सपने वे नहीं जो सोते समय आते हैं, सपने वे हैं जो आपको सोने नहीं देते, किंतु उन सपनों को साकार करने के लिए चरित्र, अनुशासन और नैतिकता की नींव आवश्यक है। केवल महत्वाकांक्षा पर्याप्त नहीं, उसके साथ उत्तरदायित्व भी होना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों और युवाओं को केवल सफल बनने की शिक्षा न दें, बल्कि उन्हें अच्छा मनुष्य बनने की प्रेरणा भी दें। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि उत्तरदायी नागरिक और संवेदनशील व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। यदि सफलता में मानवीय मूल्य, सत्य, करुणा, सेवा, अनुशासन और राष्ट्रहित का समावेश होगा, तभी वह चिरस्थायी होगी।

सफलता का वास्तविक अर्थ केवल ऊँचे पद, अधिक धन या प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं है। सच्ची सफलता वह है, जो व्यक्ति के चरित्र को ऊँचा उठाए, समाज को दिशा दे और मानवता के कल्याण का कारण बने। निराशा को त्यागकर, संकल्प को अपनाकर, कठोर परिश्रम को जीवन का मंत्र बनाकर और मूल्यों को अपना पथप्रदर्शक बनाकर ही मनुष्य ऐसी सफलता अर्जित कर सकता है, जो समय की कसौटी पर भी अमर बनी रहती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

असम के एक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के दौरे के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा।

असम बाढ़ से दुखी हूं, मुख्यमंत्री राहत कोष में सहयोग करें: अनुपम खेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता अनुपम खेर ने असम में आई भीषण बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए लोगों से मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक सहयोग करने की अपील की है। खेर ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम खाते पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि असम की मौजूदा स्थिति से वह ''बहुत दुखी'' हैं।

उन्होंने लिखा, ''असम में आई बाढ़ की दिल दहला देने वाली तस्वीरों से मुझे गहरा दुख हुआ है। हजारों परिवार अपने घर, आजीविका और अपने प्रियजनों तक को खो चुके हैं। इस त्रासदी से मासूम जानवर भी नहीं बच सके।'' अभिनेता ने अपनी पोस्ट में असम मुख्यमंत्री राहत कोष के बैंक खाते का विवरण भी साझा किया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा, ''यदि संभव हो तो असम मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दें। आपका छोटा या बड़ा हर सहयोग उन लोगों के जीवन में उम्मीद जगा सकता है, जो फिर से अपना जीवन बसाने की कोशिश कर रहे हैं। आप चेक या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से भी योगदान दे सकते हैं। मेरी संवेदनाएं असम के लोगों के साथ हैं।''

असम में 19 जुलाई से बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 14,230.15 हेक्टेयर कृषि भूमि अब भी जलमग्न है। बाढ़ के कारण लगभग 55,000 पशु बह गए, जबकि 35,000 अन्य पशु प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से तटबंधों, मकानों, सड़कों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। राज्य के छह जिलों में कुल 1.28 लाख लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें शिवसागर जिले में सबसे अधिक करीब 55,000 लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद चराइदेव में लगभग 35,000 और जोरहाट में 20,000 से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में हैं।

इंडिगो का सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी, नए सीईओ ले जाएंगे आगे : भाटिया

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) राहुल भाटिया ने कंपनी के 20 साल पूरे होने पर मंगलवार को कहा कि एयरलाइन का 'सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी' है और अब इसकी कमान नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्श संभालेंगे। भाटिया ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र अभी शुरुआती दौर में है और इसके प्रमुख विमानन केंद्र बनने की तरफ अग्रसर होने में इंडिगो की अहम भूमिका रही है। एयरलाइन का परिचालन चार अगस्त, 2006 को शुरू हुआ था। फिलहाल यह 430 से अधिक विमानों के बेड़े के साथ रोजाना करीब 2,200 उड़ानों का संचालन करती है। भाटिया ने कहा कि एक महत्वाकांक्षी सोच से शुरू हुई यह यात्रा आज वैश्विक स्तर पर सराही जाने वाली सफलता की कहानी बन चुकी है और आगे का चरण अधिक वृद्धि, नवाचार और वैश्विक विस्तार का संकेत देता है।

उन्होंने वॉल्श को इंडिगो की कमान सौंपते हुए कहा कि वह कंपनी को वृद्धि के अगले चरण में ले जाएंगे।

एयरलाइन ने वर्ष 2030 तक प्रतिदिन लगभग 3,000 उड़ानें संचालित करने, सालाना 20 करोड़ यात्रियों को सेवा देने और 550 से अधिक विमानों का बेड़ा तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इस साल मार्च में तत्कालीन सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक इस्तीफे के बाद भाटिया अंतरिम सीईओ के रूप में कार्य देख रहे थे।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने ईरानी विदेश मंत्री अराघची को आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान ने ईरान के साथ कूटनीतिक संपर्क बढ़ाया है और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची को चर्चा के लिए जल्द से जल्द इस्लामाबाद आने का निमंत्रण दिया है। इस कूटनीतिक संपर्क से जुड़े शीर्ष अधिकारियों के अनुसार, यह निमंत्रण इस बात का संकेत है कि इस्लामाबाद तेहरान और वाशिंगटन के बीच एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक सेतु की अपनी भूमिका बनाए रखना चाहता है। यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्षेत्रीय सहयोगियों की अपील के बाद ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य हमलों को टालने के दो दिन बाद सामने आया है। हालांकि, निमंत्रण पर ईरान की प्रतिक्रिया तत्काल ज्ञात नहीं हो सकी है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उप प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार ने आज ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से बातचीत की। दोनों नेताओं ने कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम में बिगड़ती स्थिति समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश कार्यालय ने कहा, उप प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री डार ने विदेश मंत्री अराघची को उनकी सुविधा के अनुसार जल्द पाकिस्तान आने का निमंत्रण दिया। वहीं, पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने कथित तौर पर अपने ईरानी समकक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ को भी इस्लामाबाद आने का निमंत्रण दिया है। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा' से कहा, इस नवीनतम संपर्क अभियान के जरिए पाकिस्तान ऐसे समय में एक भरोसेमंद मध्यस्थ के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है, जब कूटनीतिक प्रयास नाजुक बने हुए हैं और खाड़ी क्षेत्र में फिर से सैन्य टकराव की आशंका है।

सोमवार को ट्रंप ने ईरान के नेतृत्व पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया, जब तेहरान ने वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी होने से इनकार किया था। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ वार्ता जारी है, जबकि ईरानी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका के साथ न तो कोई बातचीत हो रही है और न ही इसकी कोई योजना है। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान और कतर तथा संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं के आग्रह के बाद उन्होंने ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को रोक दिया है ताकि वार्ता के लिए और समय मिल सके। उन्होंने अपने बयान में पाकिस्तान को मध्यस्थ के रूप में विशेष रूप से उल्लेखित नहीं किया था।

झारखंड छात्रों के समर्थन में उतरी सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई/एजेन्सी

भारत में पिछले कई सालों से राज्यों में सरकारी पेपर को लेकर चल रही धांधली को उजागर करने के लिए छात्र अब सड़क उतर आए हैं। दिल्ली से शुरु हुई छात्र प्रोटेस्ट की लहर झारखंड में भी देखने को मिल रहा है। अब इस मुद्दे पर अभिनेत्री सोनाक्षी ने रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो जारी कर एक नोट लिखा। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए छात्रों के साथ हो रहे अन्याय पर आवाज उठाई। उन्होंने लिखा, हमारे देश के छात्रों को ऐसी स्थिति से गुजरते हुए देखना बहुत दुखद है। यह सब कब रुकेगा???बता दें कि झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक के खिलाफ छात्र रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। छात्र मुख्य रूप से 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और पूरे मामले की सीबीआई व ईडी से जांच कराने की मांग कर रहे हैं।बता दें कि जेपीएससी-जेएसएससी विवाद को लेकर स्टूडेंट्स का यह प्रोटेस्ट जब शुरू हुआ था तो शुरुआत में राज्य के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन हो रहे थे, लेकिन 29 जुलाई को विरोध प्रदर्शन एक बड़े आंदोलन में बदल गया, जब ऑर्गनाइजर ने 'महा आंदोलन' और संविधान मार्च का आह्वान किया और हर जिले से उम्मीदवारों से राज्य की राजधानी रांची में इकट्ठा होने की अपील की। इस अपील का असर देखने को मिला और लगभग 5,000 स्टूडेंट्स रांची पहुंच गए और शांति मार्च में हिस्सा लिया। हालांकि, पेपर धांधली मामले अब एक-एक करके सामने निकलकर आ रहे हैं। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की बात करें, तो वे हाल ही में फिल्म सिस्टम में नजर आई थी।

अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं : जैस्मिन भसीन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'जुदा' की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है। इसलिए वह हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं। जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है। मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है। अलग-अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।'' वहीं, शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जैस्मिन के साथ नजर आ रहे अभिनेता करण वाही ने भी अपने अनुभव साझा किए हैं। करण ने शो में अपने डर और चुनौतियों को लेकर बात करते हुए कहा कि इंसान को अपने डर का असली एहसास तब होता है, जब वह वास्तव में उस स्थिति के सामने खड़ा होता है।

करण वाही ने कहा, ''हम सभी सोचते हैं कि हमें अपने सबसे बड़े डर के बारे में पता है, लेकिन जब हम वास्तव में उसके सामने खड़े होते हैं, तब पता चलता है कि वह कितना बड़ा है। इस सीजन में एक ऐसा पल आया, जिसने मुझे सच में परखा और जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। 'खतरों के खिलाड़ी' की खूबसूरती यही है। यह शो आपको सिखाता है कि डर कितना भी बड़ा क्यों न हो, आपको खुद पर भरोसा रखना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।'' बता दें कि 'खतरों के खिलाड़ी' भारत के सबसे लोकप्रिय स्टंट रियलिटी शो में से एक है। यह अमेरिकी शो 'फियर फैक्टर' पर आधारित है। भारत में इसकी शुरुआत साल 2008 में 'फियर फैक्टर इंडिया' के रूप में हुई थी, जिसके बाद इसे 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' नाम मिला। साल 2020 में इसका स्पिन-ऑफ शो 'खतरों के खिलाड़ी: मेड इन इंडिया' भी लॉन्च किया गया था। इस सीजन में कई जाने-माने सितारे हिस्सा ले रहे हैं। शो के प्रतियोगियों में रुबिना दिलाइक, जैस्मिन भसीन, करण वाही, अविनाश मिश्रा, ऋत्विक धनजानी, गौरव खन्ना, अविका गौर, फरहाना भट्ट, हर्ष गुजराल, विशाल आदित्य सिंह, ओरी, शगुन शर्मा और रुहानिका धवन जैसे नाम शामिल हैं।

पीओके में 'चुनाव' पूरी तरह से दिखावा : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में तथाकथित स्थानीय चुनाव पूरी तरह से दिखावा हैं और ऐसी खोखली कवायदें उस इलाके की हकीकत को छिपा नहीं सकतीं। विदेश मंत्रालय ने पीओके में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तान सरकार की कठोर कार्रवाई की कड़ी आलोचना की और कहा कि दुनिया को मानवाधिकारों पर इस्लामाबाद के पाखंडी उपदेशों की खोखली परतों को समझना चाहिए। पीओके में बढ़ती महंगाई, कथित प्रशासनिक उदासीनता, राजनीतिक भेदभाव और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों को लेकर जून की शुरुआत से बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी नियमित प्रेस वार्ता में कहा, पीओके में तथाकथित स्थानीय चुनाव पूरी तरह से दिखावा हैं। असल स्थिति यह है कि वहां बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और पाकिस्तानी बलों की ओर से अंधाधुंध हत्याएं की जा रही हैं। ऐसी खोखली कवायदें सच्चाई को छिपा नहीं सकतीं। उन्होंने कहा, इस साल जून से की जा रही कार्रवाई में कम से कम 90 आम नागरिकों की जान गई है। जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने जनता की नाराजगी का जवाब गोलियां चलाकर, बिजली काटकर, डरा-धमकाकर और दमन करके दिया है और अब वह एक खोखली चुनाव प्रक्रिया के जरिये अपनी वैधता साबित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, उसे (पाकिस्तान) जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और दुनिया को मानवाधिकारों पर पाकिस्तान के पाखंडी उपदेशों के खोखलेपन को समझना चाहिए। जायसवाल पीओके में चुनाव से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे। पीओके में तथाकथित स्थानीय चुनावों के बीच जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी (जेएएसी) विरोध-प्रदर्शनों की अगुवाई कर रही है। पिछले महीने के आखिर में रावलकोट से मुजफ्फराबाद तक जेएएसी के मार्च के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर जानलेवा बल का इस्तेमाल किया, जिसमें कथित तौर पर 40 आम नागरिकों की मौत हो गई और 33 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हो गए। जेएएसी ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से आधिकारिक तौर पर अपील की है कि वे गैर-कानूनी हत्याओं की तत्काल और स्वतंत्र जांच करें।

भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को कहा कि उसने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के 'आउटरिच सत्र' में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। भारत 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। सम्मेलन में पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभाव सहित कई वैश्विक चुनौतियों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि फरवरी में शीर्ष पद संभालने के बाद रहमान को भारत की द्विपक्षीय यात्रा के लिए भी निमंत्रण दिया गया था। उन्होंने नियमित प्रेस वार्ता में कहा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संबंध में भारत ने बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने का अलग से निमंत्रण दिया है।

जायसवाल ने कहा कि यह निमंत्रण ब्रिक्स के आउटरीच सत्र के लिए अपनाई जाने वाली सामान्य प्रक्रिया के तहत दिया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रीय संगठनों के प्रमुखों को भी इसी प्रकार आमंत्रित किया गया है। वर्तमान में भारत ब्रिक्स का अध्यक्ष है और इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित कई शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल के पूर्बा बर्धमान जिले के कर्ज़न गेट पर मंगलवार को 'पश्चिमबंग आशा कर्मी यूनियन' के सदस्यों ने आयुष्मान भारत श-घधउ ड्यूटी से राहत और आशा कार्यकर्ताओं के लिए बेहतर कार्यस्थल सुरक्षा की मांग को लेकर जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने से पहले विरोध प्रदर्शन किया।

जब 'मकबूल' के लिए विशाल भारद्वाज ने ठुकराए 30 लाख रुपए

मुंबई/एजेन्सी

विशाल भारद्वाज हिंदी सिनेमा के उन चुनिंदा फिल्मकारों में हैं, जिन्होंने अपनी अलग सोच और अलग तरह की फिल्मों से पहचान बनाई है। उन्होंने संगीतकार, लेखक, निर्देशक, निर्माता और गायक के रूप में काम किया है। उनके फिल्मी सफर में कई उतार-चढ़ाव आए। कई बार उन्हें आर्थिक मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा। एक समय ऐसा भी आया, जब अपनी सबसे खास फिल्मों में से एक 'मकबूल' को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी 30 लाख रुपए की फीस तक छोड़ दी। यही फैसला बाद में उनके करियर का सबसे यादगार पल बन गया। विशाल भारद्वाज का जन्म 4 अगस्त 1965 को उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के चांदपुर में हुआ था। उनका बचपन नजीबाबाद और मेरठ में बीता। उनके पिता राम भारद्वाज गन्ना निरीक्षक थे और साथ ही हिंदी फिल्मों के लिए गीत और कविताएं भी लिखते थे। घर में संगीत का माहौल था, इसलिए बचपन से ही विशाल का झुकाव संगीत की ओर हो गया। हालांकि, उनका पहला सपना फिल्मी दुनिया नहीं, बल्कि क्रिकेट था। वह उत्तर प्रदेश की अंडर-19 टीम के लिए भी खेल चुके थे, लेकिन अभ्यास के दौरान अंगूठे में गंभीर चोट लगने के बाद उनका क्रिकेट करियर खत्म हो गया। बाद में उन्होंने कई बार कहा कि अगर वह चोट नहीं लगती तो शायद वह कभी फिल्म निर्देशक नहीं बनते। महज 17 साल की उम्र में विशाल ने अपना पहला गीत तैयार किया। उनके पिता ने यह गीत संगीतकार उषा खन्ना को सुनाया और इसे फिल्म 'यार कसम' में जगह मिली। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से पढ़ाई की। वहीं उनकी मुलाकात रेखा भारद्वाज से हुई, जो आगे चलकर उनकी पत्नी बनीं। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने संगीत की

दुनिया में कदम रखा और 1995 में फिल्म 'अभय' से बतौर संगीतकार शुरुआत की। इसके बाद 'माचिस' का संगीत इतना पसंद किया गया कि उन्हें फिल्मफेयर का आर.डी. बर्मन पुरस्कार मिला। 'सत्या', 'गॉडमदर' और कई दूसरी फिल्मों में संगीत ने उन्हें इंडस्ट्री में मजबूत पहचान दिलाई। 'गॉडमदर' के लिए उन्हें पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला।

संगीत में सफलता मिलने के बाद भी विशाल ने 2002 में बच्चों की फिल्म 'मकड़ी' से निर्देशन की शुरुआत की। इसके बाद 2003 में आई 'मकबूल' ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई। यह फिल्म विलियम शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक 'मैकबेथ' पर आधारित थी। शुरुआत में इस फिल्म पर भरोसा करने वाले लोग बहुत कम थे। कई कलाकार इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनने से हिचक रहे थे। बजट भी सीमित था और फिल्म बनाना आसान नहीं था।

विशाल भारद्वाज ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 'मकबूल' की शूटिंग भोपाल की एक हवेली में करना उनके लिए बहुत जरूरी था। लेकिन निर्माता के पास उतना बजट नहीं था। तब उन्हें सुझाव दिया गया कि अगर वे अपनी 30 लाख रुपए की निर्देशक फीस छोड़ दें तो वही पैसा फिल्म की शूटिंग पर खर्च किया जा सकता है। विशाल ने बिना ज्यादा सोच-विचार के अपनी पूरी फीस छोड़ दी। उन्होंने बाद में कहा कि उन्हें आज तक 'मकबूल' से आर्थिक रूप से कोई कमाई नहीं हुई, लेकिन इस फिल्म ने उन्हें जो सम्मान, पहचान और भरोसा दिया, वह किसी भी रकम से कहीं बड़ा था। यही वजह है कि आज 'मकबूल' भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन फिल्मों में गिनी जाती है।

'मकबूल' की सफलता के बाद विशाल भारद्वाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 'ओमकारा' और 'हैदर' जैसी फिल्मों ने देश ही नहीं, विदेशों में भी खूब तारीफ बटोरी। इसके अलावा 'कमीने', '7 खून माफ', 'मटरू की बिजली का मंडोला', 'रंगून', 'खुफिया' और 'चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलांग वैली' जैसी फिल्मों में भी उनकी अलग सोच साफ दिखाई दी। निर्माता के रूप में उन्होंने 'इश्किया', 'डेढ़ इश्किया' और 'तलवार' जैसी चर्चित फिल्मों का भी निर्माण किया।

विशाल भारद्वाज ने अपने करियर में निर्देशन के साथ-साथ संगीत और गायन में भी लगातार काम किया। उनकी जोड़ी गीतकार गुलजार के साथ सबसे सफल मानी जाती है। दोनों ने मिलकर हिंदी सिनेमा को कई यादगार गीत दिए।

शालिनी पांडे ने उठायी मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने के खिलाफ आवाज़

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई अभिनेत्री शालिनी पांडे ने मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को कथित तौर पर हटाए जाने के मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की है। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने लोगों से इस मामले में आगे आने और संबंधित याचिका का समर्थन करने की अपील की है। शालिनी ने अपनी पोस्ट में बताया है कि सैकड़ों कुत्ते वर्षों से रेलवे स्टेशनों के आसपास इंसानों के साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं और अब उनके बसेरे छिनने का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने इस स्थिति को जानवरों के प्रति क्रूरता बताते हुए लोगों से याचिका पर हस्ताक्षर करने और उनके समर्थन में आवाज उठाने का आग्रह किया है। अपनी पोस्ट में अभिनेत्री ने एक पशु कल्याण पहल से जुड़े संगठन को टैग करते हुए लोगों को याचिका तक पहुंचने का रास्ता भी बताया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल इस मुद्दे को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और पशु कल्याण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए किया है।

गौरतलब है कि शालिनी पांडे का यह कदम शहरी क्षेत्रों में इंसानों और जानवरों के बीच जिम्मेदार और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए उनके प्रति भावनात्मक रवैया अपनाने की याद भी दिला रहा है। फिलहाल उनके इस संदेश का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और बेघर होने के खतरे का सामना कर रहे इन आवारा कुत्तों के संरक्षण के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करना है। इस अपील के साथ शालिनी पांडे ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग पशु कल्याण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे को उजागर करने और अपने प्रशंसकों से इस नेक पहल में अपनी आवाज जोड़ने का आग्रह किया है।

निःशुल्क मल्टी स्पेशियलिटी मेडीकल कैम्प में 500 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां रविवार को कोयम्बटूर के आरएस पुरम् के टिबरेवाल नगर में नेहरू विद्यालय स्कूल में 'श्री कोयंबटूर जैन महासंघ' ने 'पीपल फॉर पीपल फाउंडेशन' और 'श्री कच्छी दासा ओसवाल जैन ज्ञाति महाजन, कोयंबटूर' के संयुक्त सहयोग से एक मुफ्त मल्टी-स्पेशियलिटी मेडिकल कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस मेडिकल कैंप को उषादेवी रमेश टिबरेवाल परिवार, जगन्नाथ टेक्सटाइल्स और जगन्नाथ प्रॉपर्टीज़ ने उदारतापूर्वक प्रायोजित किया। कैंप का उद्घाटन अभिषेक टिबरेवाल और अनुराग टिबरेवाल ने किया। इस कैंप से 500 से ज़्यादा मरीज़ों को फ़ायदा हुआ। यहाँ आने वाले सभी लोगों को मुफ़्त स्वास्थ्य सेवाएँ दी गईं, जिनमें ब्लड टेस्ट, ईसीजी और लिवर स्कैन शामिल थे। कोयंबटूर के अलग-अलग क्षेत्रों के 22 प्रमुख विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम ने विशेषज्ञ सलाह और मेडिकल गाइडेंस दी। 'जैन महासंघ' के मेडिया प्रभारी किशोर जैन ने बताया कि इस शिविर में सब कुछ निशुल्क रहा और दिन भर चले शिविर में 500 से ज़्यादा लोगों ने लाभ उठाया।

कोयम्बटूर के भारतीय खाद्य निगम में राजभाषा गतिविधियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय, कोयंबत्तूर में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजभाषा गृह पत्रिका अन्नोदय प्रवेशांक का भव्य विमोचन, राजभाषायी निरीक्षण तथा हिंदी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अरुण कुमार, उप महाप्रबंधक(राजभाषा), क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै, मंडल प्रबंधक आनंद वी, कोयंबत्तूर के साथ राजभाषा अनुभाग के पी श्रीकला, प्रबंधक(राजभाषा) एवं सुकिर्ति कुमारी, राजभाषा सहायक द्वारा राजभाषा गृह पत्रिका के प्रवेशांक के विमोचन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अरुण कुमार ने पत्रिका को कर्मचारियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच बताते हुए सभी से इसमें सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। साथ ही मंडल प्रबंधक आनंद वी ने कहा कि पत्रिका में विभिन्न सामग्रियों को समावेश किया गया है। इससे कार्मिकों के बीच हिंदी में काम करने की रूचि पैदा होती है। अत: सभी कार्मिक प्रत्रिका के लिए अपना अमूल्य योगदान दे। इसके उपरांत कार्यालय के विभिन्न अनुभागों का राजभाषायी निरीक्षण किया गया।

'आचारांग सूत्र' का स्वाध्याय जीवन की दिशा बदल देता है : मुनि तीर्थचैतन्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री तीर्थभद्र सूरीश्वरजी म.सा. के सुशिष्य मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी म.सा. के पावन सान्निध्य में जैन आगम 'आचारांग सूत्र' के स्वाध्याय का शुभारंभ हुआ। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि धन खो जाए तो उसे पुनः कमाया जा सकता है, लेकिन यदि धर्म का श्रुत लुप्त हो जाए तो पीढ़ियों का आध्यात्मिक जीवन अंधकारमय हो जाता है। यही कारण है कि हमारे पूर्वाचार्यों ने आगमों की रक्षा और संरक्षण के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा कि आचारांग सूत्र जैन आगमों का प्रथम एवं अत्यंत पूज्य ग्रंथ है, जिसकी उत्पत्ति भगवान महावीर की त्रिपदी देशना से हुई। यह कोई साधारण ग्रंथ नहीं, बल्कि भगवान महावीर के श्रीमुख से प्रकट दिव्य वाणी का सजीव स्वरूप है तथा संपूर्ण द्वादशांगी का प्रथम अंग है। इसके दो श्रुतस्कंध, आचारांग अध्ययन और ब्रह्मचर्य अध्ययन हैं तथा इसमें कुल 805 गाथाएं वर्णित हैं। मुनिश्री ने एक मार्मिक दृष्टांत देते हुए कहा कि जिस प्रकार किसी समृद्ध व्यापारी के यहां अनाज की बोरियां उठाते समय यदि कुछ दाने नीचे गिर जाएं तो उनकी ओर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता, किंतु यदि वही दाने अकाल के समय उपलब्ध हों तो उनका मूल्य अमूल्य हो जाता है। उसी प्रकार यदि संपूर्ण द्वादशांगी को अनाज की भरी बोरियों के समान माना जाए, तो वर्तमान में उपलब्ध आगम उन अमूल्य दानों के समान हैं। इसलिए उनका संरक्षण, अध्ययन और सम्मान प्रत्येक जैन का कर्तव्य है। मुनिश्री ने बताया कि आचार्यों ने विभिन्न वाचनाओं के माध्यम से उपलब्ध श्रुत का संरक्षण किया और अंततः उसे लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित किया। यदि यह महान कार्य नहीं हुआ होता, तो आज हम भगवान महावीर की दिव्य वाणी से वंचित रह जाते। उन्होंने बताया कि अंतिम दशपूर्वधर आर्यरक्षितसूरिजी ने आगम साहित्य को चार अनुयोगों द्रव्यानुयोग, गणितानुयोग, कथानुयोग और चरणानुयोग में विभाजित कर अध्ययन की परंपरा को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि आचारांग सूत्र का प्रथम और मूल संदेश अहिंसा है। अहिंसा केवल किसी प्राणी की हत्या न करने का नाम नहीं, बल्कि किसी के मन को दुःख न पहुँचाना, कटु वचन से बचना तथा ईर्ष्या-द्वेष जैसे सूक्ष्म हिंसात्मक भावों का त्याग करना भी सच्ची अहिंसा है। जब हृदय में करुणा का उदय होता है, तभी वास्तविक अहिंसा का जन्म होता है।

मुक्ति में बाधक तत्व है मोह : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर ने मोह को मुक्ति में बाधक तत्व बतलाया है। जिसने राग, द्वेष, मोह को जीत लिया वह आत्मा सब कर्म बंधनों से मुक्त होकर वीतराग दशा को प्राप्त कर लेती है।उन्होंने कहा कि यदि जीवात्मा मोहनीय कर्म पर विजय प्राप्त कर लेती है तो उसके बाकी दोष स्वत ही समाप्त हो जाते हैं।

इसके लिए जरूरी है सर्वप्रथम साधक अपने आत्म स्वरूप की सही पहचान करे। भगवान महावीर ने अपनी आत्मा की पहचान के लिए जिनवाणी, आगम शास्त्र के आलोक में अपनी आत्मा को आलोकित करने की बात कही है। आत्म पहचान हेतु आगम की आवश्यकता होती है। आगम के श्रुत ज्ञान, स्वाध्याय के सहारे ही हमारी जीवन नौका संसार रूपी सागर से पार हो सकती है।

एक नमस्कार बदल सकता है आपका जीवन : पं. ज्ञानबोधि विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. के सुशिष्य पंन्यास श्री ज्ञानबोधि विजयजी म. ने मंगलवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रंथों की महत्ता अपार है। प्रभु के शासन के सूत्र महामंत्र और महाऔषधि हैं। उन्होंने ललित विस्तरा ग्रंथ की विवेचना करते हुए कहा कि कभी-कभी किसी छोटे ग्रंथ की एक पंक्ति भी व्यक्ति के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने भगवान महावीर की त्रिपदी की महिमा बताते हुए कहा कि उसकी शक्ति से चंडकौशिक, रोहिणिया चोर तथा चिलाती डाकू जैसे अनेक व्यक्तियों का जीवन परिवर्तित हो गया। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के लिए लंबे प्रवचन आवश्यक नहीं, बल्कि एक सार्थक शब्द भी जीवन की दिशा बदल सकता है। जैसे एक दीपक अनेक दीपकों को प्रज्वलित कर देता है, वैसे ही एक वाक्य भी आत्मजागरण का कारण बन सकता है। उन्होंने पेठड़शाह के पिता देदेशाह का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल एक शब्द सुनकर उनके जीवन में परिवर्तन आ गया। इसलिए यह कहना कठिन है कि कौन-सा वचन कब किसी के अंतर्मन को जागृत कर दे। उन्होंने चेताया कि यदि मनुष्य केवल आराम में जीवन बिताता है तो वह अपने आत्मकल्याण के मार्ग को स्वयं अवरुद्ध करता है। महाराजश्री ने कहा कि ललित विस्तरा ग्रंथ में सर्वप्रथम भगवान महावीर को नमस्कार किया गया है। उन्होंने कहा कि धर्म से पहले

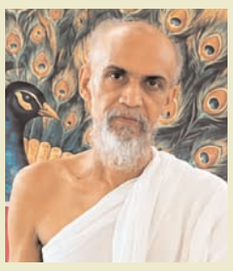

संस्कृति का निर्माण आवश्यक है और राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है। राष्ट्र सुरक्षित रहेगा तभी धर्म भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए संस्कृति का आरंभ अपने घर से करना चाहिए। उन्होंने नमस्कार भाव की महिमा बताते हुए कहा कि नमस्कार समस्त पापों को धोने की शक्ति रखता है और एक सच्चा नमस्कार मोक्ष का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

उन्होंने नमस्कार के तीन प्रकार बताए, सामान्य नमस्कार (झुकना), गुणवान के प्रति नमस्कार भाव और गुण-प्राप्ति की भावना से किया गया नमस्कार, जो सबसे दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि झुकना वीरों की पहचान है। नमस्कार का वास्तविक अर्थ अहंकार का त्याग है। संसार के अधिकांश विवाद अहंकार के कारण ही उत्पन्न होते हैं। भक्त भगवान के संवाद को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु ने भक्त से कहा कि मेरा ही नहीं, तेरा ही सृजन चाहिए और वह अहंकार है अर्थात अहंकार का पूर्ण नाश हो।

मित्र ऐसे बनाएं जो सुख-दुख में साथ रहें: संतश्री लोकेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में लोकेशमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सुख में साथ देने वाले बहुत मिल जाते हैं, लेकिन दुःख में कोई साथ नहीं देता। इंसान दुनिया में अकेला आया है और अकेला जाएगा।

पुराने समय में लोग अपने दरवाज़े पर आदमी को रखते थे ताकि कोई कुत्ता प्रवेश न करे लेकिन आजकल कुत्ता रखते हैं ताकि कोई आदमी घर में न आ जाय। ज्ञानी लोग कहते हैं मौत कि मित्र ऐसा बनाना चाहिए जो हमारे सुख-दुख में साथ रहे। ज्ञानी लोग अगर जंगल में भी चले जाएं तो वहाँ पर भी अपना वर्चस्व स्थापित करने में सक्षम हो जाते हैं, अपना पेट भर लेते है। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि शिक्षा और ज्ञान सदा सुखदायी होते हैं। तन रोगों की खान है, धन भोगों की खान है, ज्ञान सुखों की खान है, अज्ञान दुखों की खान है। भगवान की वाणी से भव सुधर जाएगा। यही कार्य साधु संतों का है।

आत्मध्यान से ही मोक्ष प्राप्ति सम्भव : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रमण भगवान महावीर स्वामी सागर के समान गंभीर, गंगा के समान निर्मल, गिरि के समान महान, तीस वर्षों तक निरंतर प्रतिदिन छह घंटे सम्यक दर्शन, ज्ञान, चरित्र से युक्त उदार जिनवाणी की वर्षा करते रहे, धन्य हैं वे लोग जिन्होंने परमात्मा की वाणी, देशना का श्रवण किया। परमात्मा ने मुख्यतया स्वाध्याय और ध्यान को ही आत्मा के उद्धार का मार्ग बताया। ध्यान शतक ग्रंथ में बताया गया है कि आज तक जो

भी आत्मा मोक्ष को गई है उसने स्वाध्याय और ध्यान के मार्ग से ही मोक्ष को पाया है। आत्मध्यान से ही मोक्ष प्राप्ति सम्भव है। जिनवाणी श्रवण करने वाले श्रोता को तीन भागों में बांटा गया है। पहला गर्म तवे पर पानी की बूंद के समान, जो एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हैं, दूसरा कमल पर गिरी हुई पानी की बूंद के समान, जो थोड़ी धूप आने पर नीचे गिर जाती है जिनकी श्रद्धा थोड़ी तकलीफ़ आने पर डगमगा जाती है और तीसरा स्वाति नक्षत्र में सीप में गिरी मोती की बूंद के समान, जो जिनवाणी को अपने अन्दर समाहित करने वाला होता है।

सर्जन के साथ साथ विसर्जन भी जरूरी: संतश्री अभिजीतमुनि

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में सर्जन के साथ विसर्जन होना जरूरी है। सर्जन संग्रह है तो उसका विसर्जन नहीं हो तो क्या होगा?

अर्थात यदि सर्जन ही सर्जन किया जाएगा तो अधिकता हो जाएगा जो कि सही नहीं है। सर्जन के साथ विसर्जन होना ही चाहिए तभी हम विकास की ओर बढ़ सकते हैं।इस संसार में जीवन जीना हमें सीखना होगा, केवल कमाना, खाना-पीना, मौज मस्ती ही सब कुछ नहीं है, इन सब के साथ दूसरों को देना, दूसरों के लिए कार्य करना भी सीखना होगा। जीवन में हमेशा मीठा बोलो, प्रेम से बोलो, प्यार से सबका मन प्रसन्न रखें।

जहाँ सह अस्तित्व की भावना है वहाँ संघर्ष नहीं होता: कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ चूलै में मणिक्कम स्ट्रीट स्थित लक्ष्मी महल में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने मंगलवार को अपने प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन में संतुलन नहीं है तो सभी बाहरी उपलब्धियाँ सुख और शांति नहीं दे सकतीं। इसलिए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विचार, व्यवहार, परिवार, समाज में संतुलन अनिवार्य है। बैलेंसिंग नेचर वाला व्यक्ति जहाँ भी जाता है, वहाँ स्वयं को सहजता से समायोजित कर लेता है। वह अपनी पहचान खोकर नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व की गरिमा बनाए रखते हुए सबके साथ चलना जानता है। वह मतभेदों के बीच भी मनभेद पैदा नहीं होने देता। आज छोटी-सी विचार भिन्नता भी लोगों को एक-दूसरे से दूर कर देती है। परिवार टूट रहे हैं, समाज बँट रहे हैं और मित्रताएँ समाप्त हो रही हैं। क्योंकि हमने विचार भेद को संबंध विच्छेद का कारण बना लिया है। संतुलित स्वभाव वाला व्यक्ति विरोधी विचारों के बीच भी समन्वय स्थापित कर लेता है। वह किसी की बात को तुरंत अस्वीकार नहीं करता बल्कि पहले उसे समझने का प्रयास करता है। उसे यह अहंकार नहीं होता कि मैं ही सही हूँ और बाकी सब गलत हैं। यही उदारता उसके व्यक्तित्व को महान बनाती है। ऐसा व्यक्ति स्वयं तो चमकता ही है दूसरों को भी चमकने का अवसर देता है। उसे किसी की प्रतिभा से ईर्ष्या नहीं होती। वह दूसरों को दबाकर बड़ा बनने में विश्वास नहीं करता, बल्कि दूसरों को आगे बढ़ाकर स्वयं भी आगे बढ़ता है। उसका हृदय विशाल होता है। वह स्वार्थ, संकीर्णता और अहंकार से ऊपर उठ चुका होता है। धर्म कभी यह नहीं सिखाता कि दूसरे को छोटा सिद्ध करके स्वयं बड़े बनो। सच्चा धर्म तो यह सिखाता है कि हर व्यक्ति में सत्य का कोई न कोई अंश अवश्य है। अनेकांत का सिद्धांत इसी उदार दृष्टि का नाम है। जो अनेकांत को समझ लेता है, वह विवाद नहीं करता, संवाद करता है; विरोध नहीं करता, समन्वय करता है।

जहाँ सह-अस्तित्व है, वहाँ संघर्ष नहीं, सहयोग जन्म लेता है। जहाँ सह-अस्तित्व है, वहाँ घृणा नहीं, करुणा विकसित होती है। जहाँ सह-अस्तित्व है, वहाँ प्रतियोगिता नहीं, सहभागिता होती है। यही भावना परिवार को जोड़ती है, समाज को संगठित करती है और विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त करती है। इस मौके पर माम्बलम संघ के अध्यक्ष डॉ उत्तमचंद गोठी व मंत्री महेन्द्र गादिया के नेतृत्व में आए सदस्यों ने दर्शन और प्रवचन का लाभ लिया।

धर्म ही आत्मा के कल्याण का सच्चा मार्ग : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के एसएस जैन संघ, के तत्वावधान में जैन भवन प्रांगण में विराजित जयमल सम्प्रदाय के आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी म.सा. के शिष्य, श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. (लघु) ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में धर्म की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन से धर्म की शरण में आ जाता है, उसकी जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः होने लगता है। धर्म मनुष्य को केवल सांसारिक सुख ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और मोक्ष मार्ग की दिशा भी प्रदान करता है। गुरुदेव ने कहा कि मनुष्य को सोते-जागते, उठते-बैठते हर समय धर्म की शरण में रहना चाहिए तथा धर्म के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। संसार के धन, वैभव और भौतिक साधन स्थायी सुख नहीं दे सकते, बल्कि उनके प्रति आसक्ति अनेक बार दुःख का कारण बन जाती है। केवलज्ञान प्राप्त भगवानों ने भी धर्म की शरण को ही सच्चे सुख और समाधि का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि अनेक आत्माएं सांसारिक सुख-सुविधाओं और भोग-विलास का अनुभव करने के बाद जागृत होकर धर्म की ओर मुड़ जाती हैं, जबकि कुछ आत्माएं बार-बार भोगों में लिप्त होकर भी चेतना प्राप्त नहीं कर पातीं। धर्म ही ऐसा दिव्य साधन है जो व्यक्ति को दुःखों, बाधाओं और मानसिक अशांति से मुक्त कर सकता है।

पूज्यश्री ने स्पष्ट किया कि केवल किसी के सिर पर हाथ फेर देने या बाहरी उपायों से सुख प्राप्त नहीं होता। वास्तविक सुख और सुरक्षा धर्म से ही मिलती है। संसार में रिश्तेदार, मित्र और परिचित सहयोग अवश्य कर सकते हैं, लेकिन अंतिम समय में आत्मा की रक्षा केवल धर्म ही करता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धर्म को अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए।

प्रवचन सभा में अध्यक्ष संजय पिंचा, माणकचंद, ज्ञानचंद, शान्तिलाल लुकड, पदमचंद, राजु वेद सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया तथा धर्ममय जीवन जीने का संकल्प लिया। संचालन संघ के उपाध्यक्ष सज्जनराज सुराणा ने किया। आज के नमस्कार महामंत्र जाप का लाभ रिखबराज नवरत्नलाल बोथरा मुथा परिवार ने लिया। यह जानकारी संघ के महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने दी।

वीओजी वॉलीबॉल क्लब बना चैम्पियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई वॉलीबॉल फेडरेशन का आठवां टूर्नामेंट परशुराम स्पोर्ट्स क्लब के शानदार आयोजन में वीओजी वॉलीबॉल क्लब बना चैंपियन श्री वीर तेजा स्पोर्ट्स क्लब रही उपविजेता चेन्नई। परशुराम स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित चेन्नई वॉलीबॉल डोटा फेडरेशन का आठवां वॉलीबॉल टूर्नामेंट माधवरम स्थित प्रसिद्ध वासुदेवजी मंदिर के खेल प्रांगण में उत्साह एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के जोश, खेल भावना और दर्शकों के उत्साह ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। टूर्नामेंट में कुल 17 टीमों ने भाग लिया, जिन्हें दो ग्रुपों में विभाजित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान कुल 64 लीग मुकाबले खेले गए। दोनों ग्रुपों से शीर्ष चार-चार टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.